सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.parivahanvishesh.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अपने वतन की स्वतंत्रता का दायित्व केवल सैनिकों का नही बल्कि सभी देशवासियों का हैं।

वर्ष 01, अंक 152, नई दिल्ली

मंगलवार, 15 अगस्त 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

15 अगस्त को लेकर ट्रैफिक एडवाइजरी जारी

स्पेशल सीपी ट्रैफिक ने साझा की जानकारी

→ ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों के मुताबिक स्वतंत्रता दिवस के मौके पर यातायात को नियंत्रित करने के लिए लगभग 3000 यातायात पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी।

संजय बाटला, सम्पादक

नई दिल्ली। 15 अगस्त को लेकर राजधानी दिल्ली में तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। इस बीच यातायात व्यवस्था पर स्पेशल सीपी ट्रैफिक एसएस यादव ने यातायात नियमों संबंधित जानकारी साझा की है। उन्होंने कहा कि 14 अगस्त को रात 10:00 बजे से भारी वाहनों, वाणिज्यिक यातायात और मध्यम-माल वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। लाल किला क्षेत्र के पास और नई दिल्ली की कुछ सड़कों पर यातायात नियंत्रित रहेगा। चिन्हित सड़कों और वाहनों पर नियंत्रित आवाजाही की अनुमति होगी। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों के मुताबिक भारी और वाणिज्यिक वाहनों को इस दौरान नियंत्रित किया जाएगा। इन वाहनों को वैकल्पिक मार्गों की ओर डायवर्ट किया जाएगा।

ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों के मुताबिक स्वतंत्रता दिवस के मौके पर यातायात को नियंत्रित करने के लिए लगभग 3000 यातायात पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। ये ट्रैफिक पुलिसकर्मी राजधानी दिल्ली के प्रमुख जंक्शनों और दिल्ली के बॉर्डरों को ला किले से जोड़ने वाली सड़कों पर तैनात किए जाएंगे। विशेष पुलिस आयुक्त (यातायात) एसएस यादव ने कहा कि 14 अगस्त की रात 10 बजे से दिल्ली की सीमा से माल ले जाने वाले भारी और मध्यम वाहनों का प्रवेश बंद कर दिया जाएगा। 15 अगस्त के कार्यक्रम के खत्म होने के बाद ही प्रवेश फिर से शुरू होगा। उन्होंने बताया कि लाल किले के नजदीक जेएलएन मार्ग, बहादुर शाह जफर मार्ग और रिंग रोड के कुछ हिस्सों पर वाहनों की नियंत्रित आवाजाही रहेगी।

उन्होंने बताया कि इस दौरान यह भी ध्यान रखा जाएगा कि इन नियमों के तहत विशेष व आवश्यक सेवाएं न प्रभावित हों। साथ ही लाल किले के पास काफी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी ताकि लोगों को वे लोगों को रास्ता बताते रहें। एसएस यादव ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर काफी संख्या में आम लोगऔर विभिन्न देशों को राजनयिक लाल किले पर होने वाले समारोह में शामिल होने के लिए आएंगे। ऐसे में उनके वाहनों के लिए पार्किंग की भी व्यवस्था की गई है।

परिवहन आयुक्त के कारण वाहन मालिक अपने वाहन को दिल्ली से दूसरे राज्य में ले जाकर नहीं करा पा रहे पंजीकृत

संजय बाटला

नई दिल्ली। व्यवसायिक वाहनों की आयु पूरी होने पर वाहन को दूसरे राज्य में ले जाकर पंजीकृत करवाने के लिए आवश्यक है एनओसी और एनओसी को जारी करने के लिए जरूरी दस्तावेज हैं जीरो फिटनेस, जिसको परिवहन आयुक्त आशीष कुंद्रा ने करवा रखा है बंद, अब बताए **कैसे वाहन मालिक अपने वाहन को दिल्ली से दूसरे राज्य में ले जाकर करवाएं पंजीकृत ?** है किसी के पास इसका सार्थक जवाब।

दिल्ली परिवहन आयुक्त आज की तारिख में अपने प्रिय बाहरी राज्यों में पंजीकृत वाहन स्क्रैप डीलरो को दिल्ली की जनता के वाहनों को उठवाकर सुपुर्द करने के लिए कुछ भी करने को रहते हैं तैयार,

अब आप ही देखे अपने प्रिय बाहरी राज्यों में पंजीकृत वाहन स्क्रैप डीलरो को वाहन अधिक से अधिक मात्रा में दिलवाने के प्रति एमसीडी के सभी जोन में बकायदा पत्र लिखकर वहा के अधिकारियो से वाहन परिवहन विभाग द्वारा घोषित बाहरी राज्यों के पंजीकृत वाहन स्क्रैप डीलरो को सुपुर्द करने के लिए कह रहे हैं।

आज तक परिवहन आयुक्त जनता को यह तो बता नही सके की किस नियम/ कानून/ आधार के वह बाहरी राज्यों में पंजीकृत वाहन स्क्रैप डीलरो में से कुछ चुनीदा वाहन स्क्रैप को अपने साथ जोड़ कर उनके व्यवसाय को सातवे आसमान पर पहुंचाने के लिए अपनी पूर्ण ताकत का प्रयोग कर रहे हैं।

ना तो जोड़ने के लिए कोई नियम लागू किया

ना कोई सिक्योरिटी ली,

ना वाहनों के पैसे अग्रिम जमा करवाए,

ना उनको सुपुर्द किए जा रहे वाहनों को रखने की जगह की मांग की

और ना ही आजतक किसी वाहन के स्क्रैप होने का विडियो क्लिप तक मांगा,

आखिर इतनी सब छूट देने के साथ उनको वाहनों की अधिक से अधिक सुपुर्दगी के प्रति समर्पित क्यों ?

जनता यह तो भली भांति जानती है की वाहन की नंबर प्लेट भी बदल सकती हैं,

वाहन का चेसिस नम्बर भी बदला जा सकता है,

वाहन के इंजिन का नम्बर भी बदला जा सकता है,

और कोई भी एक रास्ता अख्तियार करके वाहन को किसी भी गलत कार्य में प्रयोग भी किया जा सकता है, ऐसे में कैसे हो सकती है

महिला सुरक्षा,

जन सुरक्षा,

राज्य सुरक्षा और

देश सुरक्षा

क्या परिवहन आयुक्त इस बात की लिखित ज़िम्मेदारी लेते हैं की उनके द्वारा अपने पद की ताकत का प्रयोग कर जितने भी वाहन उठवा कर उन्होने अपने प्रिय बाहरी राज्यों में पंजीकृत वाहन स्क्रैप डीलरो को सुपुर्द करे है वह सभी सही जगह (प्लांट) में स्क्रैप हुए हैं और स्क्रैप होने तक उनका कोई दुरुपयोग नहीं किया गया ?

यह सवाल देश, राज्य, जनता और खासकर बच्चियों और महिलाओ की सुरक्षा दृष्टि से जरुरी है और परिवहन आयुक्त आशीष कुंद्रा को इसकी ज़िम्मेदारी लेनी आवश्यक है।

दिल्ली की बसों में मार्शलों की तैनाती जारी रखी जाए

दिल्ली हाईकोर्ट में पीआईएल हुई दाखिल

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली बस मार्शल योजना के तहत दिल्ली की बसों में मार्शलों की तैनाती को जारी रखने की मांग को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में पीआईएल दाखिल की गई, जिसमें कहा गया है कि दैनिक आधार पर बसों का उपयोग करने वाले यात्रियों में समग्र अनुशासन बनाए रखने के लिए दिल्ली की बसों में बस मार्शलों की तैनाती जारी रखना आवश्यक है. सामाजिक कार्यकर्ता और वकील अमित साहनी की तरफ से यह याचिका दायर की गई है. न्यूज एजेंसी ANI के अनुसार, दिल्ली बस मार्शल योजना की शुरुआत दिल्ली में सार्वजनिक बसों में महिलाओं की सुरक्षा में सुधार के लिए परिवहन विभाग द्वारा 2015 में की गई थी. PIL में कहा गया है कि हालिया मीडिया में आई रिपोर्टों के अनुसार "DTC बसें बिना मार्शल के चल रही हैं". इसमें यह भी कहा गया है दिल्ली सरकार की बस मार्शल योजना की वजह से दिल्ली की बसों में छेड़छाड़, चोरी के मामले कम हुए हैं. इसके अलावा दैनिक आधार पर बसों का उपयोग करने वाले यात्रियों में समग्र अनुशासन बनाए रखने के लिए दिल्ली की बसों में बस मार्शलों की तैनाती जारी रखना आवश्यक है. याचिकाकर्ता अमित साहनी की तरफ से कहा गया है कि संविधान का अनुच्छेद 21 में निहित प्राण और दैहिक स्वतंत्रता की सुरक्षा का प्रावधान देता है. साथ ही **सुरक्षा और सुरक्षित वातावरण में यात्रा करना भी भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 का एक हिस्सा है. प्रत्येक व्यक्ति / नागरिक को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करना राज्य का कर्तव्य है।**

परन्तु दिल्ली के परिवहन आयुक्त को इस अनुच्छेद से ज्यादा मुख्य लगता है राज्य के राजस्व में इज़ाफ़ा करवाना जिसके तहत वह दिल्ली में चलने वाली कलस्टर बसों में गिनती से कई गुणा अधिक सवारी भरवा कर चलवा रहे हैं।

सभी वाहनों पर 14 व 15 अगस्त को राष्ट्रीय ध्वज लगाए जाएं

परिवहन मंत्री, डीटीसी आरटीओ व एआरटीओ कड़ाई से करायें अनुपालन परिवहन आयुक्त

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। सभी श्रेणी के वाहनों पर 14 व 15 अगस्त को राष्ट्रीय ध्वज लगाये जाने के निर्देश परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह द्वारा परिवहन विभाग को दिये गए हैं।

इसको लेकर परिवहन आयुक्त चंद्रभूषण सिंह ने प्रदेश के समस्त उप परिवहन आयुक्त/समस्त संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन/प्रवर्तन)/समस्त सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन/प्रवर्तन) को निर्देश दिये हैं कि स्वतंत्रता दिवस के दृष्टिगत 14 व 15 अगस्त, 2023 को प्रदेश में समस्त पंजीकृत वाहनों (निजी एवं व्यवसायिक) पर राष्ट्रीय ध्वज लगवाया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने वाहनों पर राष्ट्रीय ध्वज लगवाए जाने के संबंध में प्रदेश के समस्त यूनियनों यथा- ट्रक यूनियन, बस यूनियन, टैम्पो, टैक्सी यूनियन आदि के पदाधिकारीयों के साथ तत्काल बैठक करने के निर्देश दिए। साथ ही यह भी निर्देश दिया है कि इस कार्य को अभियान के रूप में किया जाये जिससे आम जनमानस की प्रत्यक्ष रूप से सहभागिता सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि देश आजादी का अमृत वर्ष मना रहा है। इस संबंध में उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक मासूम अली सरवर ने सभी क्षेत्रीय/सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों को निर्देश दिए हैं कि आजादी का अमृत उत्सव के अनुरूप यह सुनिश्चित करें कि (14 अगस्त) सुबह से स्वतंत्रता दिवस यानी 15 अगस्त 2023 तक प्रत्येक बस में राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि झंडे को चालक की तरफ साइड मिरर के साथ बांधा जाएगा और सभी चालक इस बात का पूरा ध्यान रखेंगे कि यह फटे नहीं और इसे सही रूप में बांधा जाए, यानी ऊपर केसरिया रंग और नीचे हरा रंग दिखे।

बस चालकों के साइड मिरर से बांधा जाये तिरंगा प्रबंध निदेशक

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/ 25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए-4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं की भूमिका

संसार में परमात्मा ने स्त्री-शक्ति का मुकाबला करने वाली कोई दूसरी शक्ति उत्पन्न नहीं की। वास्तव में भारतीय इतिहास में गौरवपूर्ण अध्याय के निर्माण कार्य में जितना सहयोग स्त्री शक्ति ने दिया है उतना अभी तक किसी ने नहीं दिया। आदिकाल में भी जब-जब देवासुर-संग्राम छिड़ा राक्षसी शक्ति को नष्ट करने के लिए दैवी शक्ति का आश्रय लिया गया। भारत के स्वाधीनता संग्राम में आक्रमणकारियों के विरुद्ध सदैव स्त्री शक्ति अग्रणी रही। अंग्रेजी शासन के विरुद्ध भारतीय स्वतंत्रता संग्राम अनेक दौरों से गुजरा। 1857 के विद्रोह में विश्व के सबसे महान् व शक्तिशाली साम्राज्य को चुनौती दी गई। 1857 के इस विद्रोह में झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, बेगम हज़रत महल जैसी वीरांगनाओं का योगदान विशेष उल्लेखनीय रहा। गांधी युग में राष्ट्रीय आन्दोलन जन आंदोलन में परिवर्तित हो गया। इस युग में सभी धर्मों व सम्प्रदायों के अनुयायियों तथा जनता के प्रत्येक वर्ग ने बढ़-चढ कर भाग लिया। इस कार्य में महिलाएँ भी पीछे नहीं रही। आरंभ से लेकर अंत तक उन्होंने न केवल शंतिपूर्ण आन्दोलनों में सक्रिय भाग लिया अपितु वे क्रांतिकारी गतिविधियों में भी सक्रिय रहीं। गांधी जी भी राष्ट्रीय आन्दोलन में महिलाओं की भागीदारी के पूर्ण पक्षधर थे। राष्ट्रीय आंदोलन में भाग लेकर महिलाओं ने न केवल ब्रिटिश शासन के विरुद्ध तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की बल्कि गिरफ्तार भी हुई। कुल मिलाकर महिलाओं के अंदर इस समय जो राष्ट्रचेतना पैदा हुई थी उसने यह सिद्ध कर दिया कि वे एक ऐसी राष्ट्रीय शक्ति है जो राष्ट्र की स्वाधीनता और अधिकारों के लिए सभी बंधनों से उन्मुक्त होकर लड़ सकती है। इस समय जिन स्त्रियों ने इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया था उनमें एक पंक्ति उनकी भी थी जो गांधी जी के अहिंसावादी नीति का अनुसरण कर रही थीं और दूसरी पंक्ति उनकी थी जिन्होंने क्रांति का मार्ग चुना था। राष्ट्रीय आन्दोलन के इतिहास में अपने आप को महिलाओं ने विविध आयामों के साथ प्रस्तुत किया है।

प्रस्तावना

भारतीय स्वतंत्रता-आन्दोलन का इतिहास स्वतंत्रता के लिए भारतीयों के संघर्ष की अदभुत गाथा है। इस संघर्ष में पुरूषों और महिलाओं ने समान रूप से भाग लिया। भारतीय महिलाओं का योगदान इसमें इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि उनका सामाजिक उत्थान हुए बहुत लंबा समय व्यतीत नहीं हुआ था। घर का मोर्चा हो या राजनीति का रणक्षेत्र, महिलाओं ने जिस साहस, सहिष्णुता और वीरता से स्वतंत्रता आंदोलन में अपनी भूमिका निभाई, वह इतिहास की धरोहर है। सन् 1857 का विद्रोह भारतीय स्वतत्रत्रता संग्राम का पहला ऐसा विस्फोट था, जिसकी नायक एक महिला थी, जिसने अद्भुत वीरता, पराक्रम और दिलेरी का परिचय दिया। उसके लिये

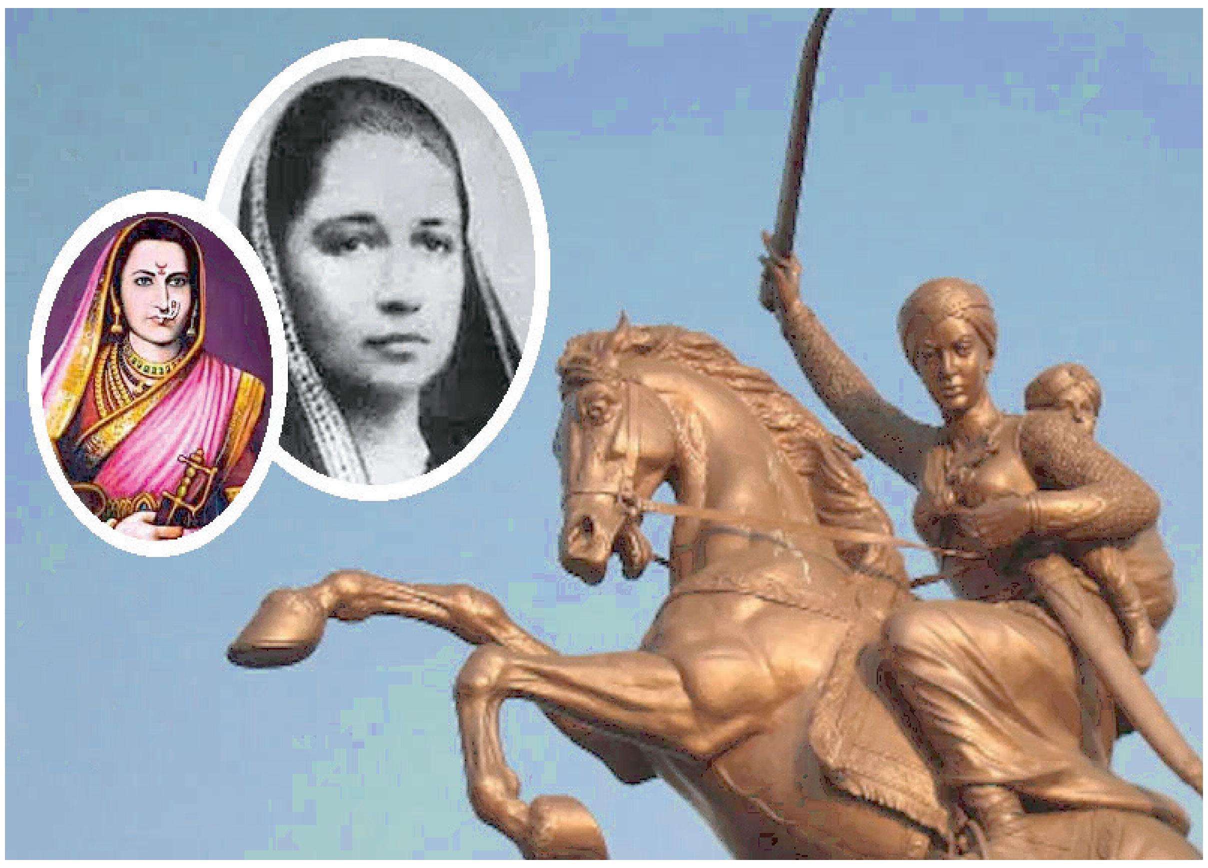

स्वयं अंग्रेज शासक भी प्रशंसा किये बगैर नही रह सके। सर हयूरोज को झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई के अद्भुत पराक्रम से चकित होकर कहना पड़ा कि ''सैनिक विद्रोह के नेताओं में महारानी लक्ष्मीबाई सर्वाधिक बहादुर और सर्वश्रेष्ठ थीं।'' रामगढ़ की रानी ने जहाँ रणक्षेत्र में लड़ते-लड़ते प्राण दे दिये वहीं बेगम हजरत महल अंग्रेजों के समक्ष आत्म समर्पण कर अपमानित होने के बजाए नेपाल की ओर चल पड़ी, जहाँ वनवास में उनकी मृत्यु हुई और जीनत महल को बर्मा में निर्वासित कैदी के रूप में जीवन व्यतीत करना पड़ा।
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की 1885 में स्थापना ने महिलाओं को एक राजनीतिक मंच प्रदान किया। इसकी स्थापना के कुछ वर्षों बाद कांग्रेस के वार्षिक अधिवेशनों में भारतीय महिलाएं प्रतिनिधि के रूप में भाग लेने के लिए आने लगीं। 1890 के कलकत्ता अधिवेशन में स्वर्ण कुमारी देवी और श्रीमती कादम्बिनी गांगुली ने भाग लिया। श्रीमती गांगुली प्रथम महिला थीं जिन्होनें राष्ट्रीय कॉंग्रेस के मंच से अपना पहला भाषण दिया। यह सम्भवतः भारतीय महिलाओं के राष्ट्रीय आन्दोलन में प्रवेश का शुभारम्भ था और इसके बाद तो मातृभूमि की खातिर राजनैतिक गतिविधियों में भाग लेने वाली महिलाओं की संख्या लगातार बढती ही चली गयी। इन महिलाओं को उत्साहित कर एवं उन्हे संगठित कर एक लक्ष्य महात्मा गांधी ने 1920 में असहयोग आन्दोलन चलाकर दिया। इससे महिलाओं को न केवल एक उद्धेश्य मिला अपितु उन्हे एक नयी दिशा भी मिली। जब 1930 में गांधी जी ने सविनय अवज्ञा आन्दोलन चलाया, तो बड़ी संख्या में महिलाओं ने सत्याग्रह में भाग लेकर अपनी शक्ति का परिचय दिया। स्वदेशी प्रचार के पक्ष में वातावरण बनाने के लिये विदेशी वस्त्रों की होली जलाई जाने लगी। शराब की दुकानें धरना देकर बंद कराई जाने लगी। उसी तरह 1942 के भारत छोड़ो आन्दोलन में तो हजारों की संख्या में महिलायें घरों से बाहर निकल आई। उन्होंने तन-मन से इस आन्दोलन में सहयोग दिया। संगठित रूप से कर्तव्य के प्रति समर्पित होकर और अनेक यातनाओं को सहते हुए उस समय राजनीतिक गतिविधियों की बागडोर सम्भाली जब अधिकांश राष्ट्रीय नेताओं को ब्रिटिश सरकार ने सींखचों में जकड़कर रखा था। उस समय राष्ट्रीय स्तर पर श्रीमती सरोजनी नायडू, अरूणा आसिफ अली, श्रीमती सुचेता कृपलानी, कमला देवी चटोपाध्याय, कस्तूरबा गांधी, विजय लक्ष्मी पंडित, मुत्तुलक्ष्मी रेड्डी, एनी बेसेंट, हन्सा मेहता तथा राजकुमारी अमृता कौर जैसी अनेक महिलाओं के योगदान को इतिहास कभी विस्मृत नहीं कर पायेगा।
निःसंदेह गांधी जी के नेतृत्व में असहयोग आंदोलन से लेकर भारत की स्वाधीनता तक महिलाओं का राष्ट्रीय आंदोलन में जो योगदान था, वह भारतीय परिवेश में उनकी जागरूकता एवं परिवर्तनों को दर्शाता है। महिलाओं में सदियों से चली आ रही रूढ़िवादिता, अंधविश्वास तथा सामाजिक पिछडेपन की स्थिति को गांधीजी के दर्शन ने बदल दिया था। उनकी भीरूता का स्थान साहस ने ले लिया, उनके अंधविश्वास तथा रूढ़िवादिता के स्थान पर जागरूकता दिखाई देने लगी एवं उनमें राजनीति परिपक्वता का बोध होने लगा। कुल मिलाकर भारतीय महिलाओं के उत्थान का यह स्वर्णिम काल था।

असहयोग आन्दोलन

प्रथम विश्व युद्ध में भारतीयों ने अंग्रेजों की तन-मन-धन से सहायता की थी। उनको यह विश्वास था, कि युद्ध की समाप्ति के बाद ब्रिटिश सरकार उन्हें कुछ राजनीतिक अधिकार अवश्य प्रदान करेंगी। परन्तु युद्ध की समाप्ति के बाद भारतीयों को निराशा ही हाथ लगी। वास्तव में यह ब्रिटिश कूटनीति थी। इससे जनता में रोष व्याप्त हो गया। इस प्रकार प्रथम विश्व युद्ध से भारतीयों में व्याप्त राष्ट्रीय चेतना में और अधिक वृद्धि हुई। रोलेट एक्ट, जलिया वाला बाग हत्याकांड, हंटर रिर्पोट, तथा खिलाफत आन्दोलन इन सभी घटनाओं से संपूर्ण भारत की जनता के साथ-साथ गांधी जी भी असंतुष्ट थे। उन्होंने सरकार द्वारा प्रदत्त 'कैसर-ए-हिन्द' की उपाधि को लौटा दिया तथा सत्याग्रह के माध्यम से असहयोग आन्दोलन का सूत्रपात किया। भारतीय राजनीति और स्वाधीनता आन्दोलन के इतिहास में 1928 का वर्ष नये युग का प्रतीक था। इस वर्ष महात्मा गांधी का सक्रिय रूप से भारतीय राजनीति के रंगमंच पर पदार्पण हुआ जब उन्होंने असहयोग आन्दोलन की घोषणा की उनकी दृष्टि में ब्रिटिश सरकार से असहयोग आन्दोलन के लिये यह उपयुक्त अवसर था। सितम्बर 1920 में कलकत्ता में कांग्रेस का विशेष अधिवेशन इस उद्धेश्य से आयोजित किया गया था, जिसके अध्यक्ष लाला लाजपत राय थे। इस अधिवेशन में महात्मा गांधी ने असहयोग आन्दोलन का प्रस्ताव रखा। चितरंजन दास जैसे नेताओं के विरोध के बावजूद यह प्रस्ताव भारी बहुमत से स्वीकार किया गया था।
दिसम्बर 1920 में नागपुर में हुए कांग्रेस के नियमित अधिवेशन में गांधी जी के प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया। इसके साथ ही राष्ट्रीय आन्दोलन एवं कांग्रेस पर महात्मा गांधी का असाधारण प्रभाव स्थापित हो गया। आन्दोलन को सफल बनाने के लिये न केवल पुरूषों ने बल्कि महिलाओं ने भी अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया। गांधी जी ने महिलाओं को सार्वजनिक जीवन में प्रवेश करने का आहवान किया जिसका उन्होंने अनुकूल प्रतिसाद दिया।
असहयोग आन्दोलन का उद्धेश्य ब्रिटिश शासन तंत्र को पूरी तरह ठप्प करना था। इसके लिये ब्रिटिश भारत की समस्त राजनीतिक, सामाजिक, और आर्थिक संस्थाओं के बहिष्कार का निश्चिय किया गया। इस आन्दोलन के मुख्य प्रस्ताव में गांधी जी ने पूरे देश से आह्वान किया था, कि इस अहिंसात्मक आन्दोलन को तब तक चलाया जाये जब तक खिलाफत संबन्धी अन्याय दूर न हो जाये और स्वराज्य प्राप्त न हो जाये। आन्दोलन का कार्यक्रम निम्नवत था:-

1. सरकारी स्कूलों और कालेजों का बहिष्कार।
2. सरकारी पदों का त्याग।
3. चुनावों का बहिष्कार।
4. सरकारी अदालतों का बहिष्कार।
5. विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार।
6. सरकारी उत्सवों का बहिष्कार।
7. भारतीयों द्वारा मैसोपोटामिया में जाकर कार्य करने से इन्कार।

1857 का विद्रोह

भारत को स्वतंत्र कराने का जो अभियान था वह यद्यपि गांधी जी के राजनीति में आगमन के बाद व्यापक स्तर पर शुरू हुआ। परन्तु देश को स्वतंत्र कराने का अभियान बहुत पहले ही शुरू हो चुका था। 1857 के विद्रोह ने ब्रिटिश सत्ता का अंत करने के प्रयास को लेकर सर्वप्रथम शक्तिशाली साम्राज्य को चुनौती दी।
''1857 के संग्राम का शुभारंभ सर्वप्रथम सैनिक छावनियों से हुआ। जवान मंगल पांडे द्वारा अपने सार्जेंट पर गोली चलाने के साथ ही क्रांति का बिगुल बज उठा।''1 देखते ही देखते यह स्वतंत्रता संग्राम कानपुर, लखनऊ, बनारस, इलाहबाद, बरेली, जगदीशपुर और झाँसी आदि जगह पर फैल गया तथा नाना साहब, तात्या टोपे, महारानी लक्ष्मीबाई, मौलवी अहमदशाह, कुंवर सिंह जैसे अनेक नेता इस संग्राम से जुड गए। 1857 ई. की क्रांति को अंग्रेज विद्वान 'सिपाही विद्रोह' की संज्ञा देकर तथा एक आकस्मिक घटना बताकर टाल देते है। लेकिन ''1857 का विद्रोह कोरा विद्रोह नहीं था बल्कि स्वाधीनता संघर्ष था। जिससे प्रायः सभी राष्ट्रवादी नेताओं ने बाद में प्रेरणा ली।''2 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में जहाँ वीर योद्धाओं ने अपनी जान दाँव पर लगाई वहीं हमारी वीरांगनाओं ने भी अंग्रेजों का डटकर मुकाबला किया। झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई, बेगम हज़रत महल, अवन्ती बाई लोदी, टेस बाई और अजीजन जैसी अनेक वीरांगनाओं ने युद्ध में अंग्रेजों के सम्मुख अपना लोहा मनवाया।

झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई

हमारे यहाँ युद्ध में अनेक देवियों ने शत्रुओं के दाँत खट्टे किए है। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अनेक वीरांगनाओं ने देश के लिए प्राणों का उत्सर्ग किया। देश के लिए प्राणों को उत्सर्ग करने वाली वीरागनाओं में झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई का नाम अग्रण्य है। जिन नारियों ने भारत माता के गौरव को ऊँचा किया है, उनमें महारानी लक्ष्मीबाई महान थीं। यही वह महिला थीं, जिसने भारत की स्वतंत्रता की मशाल लेकर, भारत की स्वाधीनता के लिए हँसते-हँसते अपने प्राणों का उत्सर्ग कर दिया। उनका शौर्य, साहस और बलिदान हमेशा भारतीय महिलाओं को वीरता की प्रेरणा देता रहेगा। हिन्दी के अनेक कवियों ने रानी की वीरता का गुणगान किया है।

बेगम हज़रत महल

'10 मई, 1857 को मेरठ में विद्रोह के आरंभ होने के बाद 30 मई, 1857 को अवध में विद्रोह की घोषणा की गई।'4 अंग्रेजों के विरुद्ध इस विद्रोह की नेता अवध के नवाब वाजिद अली शाह की बेगम, हज़रत महल थीं। 1'बेगम हज़रत महल एक नर्तकी थी।'2 अपने सौन्दर्य व गुणों के कारण वे अवध के अन्तिम नवाब वाजिद अली शाह की बेगम बन गई। सुन्दरता के साथ-साथ हज़रत महल में प्रशासनिक योग्यता कूट-कूट कर भरी हुई थी। उनका व्यक्तित्व आकर्षक और मोहक था। मई, 1857 के अंत में अवध में विद्रोह को भड़काने में बेगम हज़रत महल ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। शीघ्र ही विद्रोह की चिंगारी अवध के अन्य प्रदेशों में भी फैल गई। जून, 1857 के अंत तक लखनऊ की रेजीडेंसी, जहाँ अंग्रेजों ने शरण ली थी, शहर के अन्य भागों पर विद्रोहियों का अधिकार हो चुका था।

अजीजन बेगम

जब कानपुर में क्रांति की अग्नि प्रज्वलित हुई तो उसमें कानपुर की वीरांगना अजीजन का प्रशंसनीय योगदान था। 'अजीजन बेगम अपने समय की प्रसिद्ध नर्तकी थी।'4 कानपुर में क्रांति के शुरू होने पर 'अजीजन ने वीर, साहसी और निर्भय महिलाओं की एक टुकड़ी तैयार की।'5 उस महिला सैनिक दल की वीरांगनाएँ पुरुष वेश में घोड़ों पर सवार हाथ में नंगी तलवार लेकर निकल पड़ी, वे पुरुषों को स्वाधीनता संग्राम में सम्मिलित होने के लिए कहती, वे घायलों की सेवा सुश्रूषा करती तथा युद्धरत सैनिकों को दूध, मिठाई और फल बांटती। जब आवश्यकता पड़ती तो रणभूमि में संकट तथा गोली वर्षा की परवाह न कर युद्धरत सैनिकों को कारतूस पहुचांती। यह सब वीरांगना अजीजन की प्रेरणा तथा नेतृत्व का चमत्कार था कि परदे में रहने वाली स्त्रियाँ रणभूमि में थीं।

बंग-भंग एवं स्वदेशी आन्दोलन

हिन्दुस्तान में बींसवी सदी का उदय स्वदेशी आन्दोलन के उदय के साथ जुड़ा है। स्वदेशी आन्दोलन वास्तव में बंगाल-विभाजन के विरोध में एक आन्दोलन के रूप में पैदा हुआ। उस समय उड़ीसा और बिहार भी इसी राज्य के हिस्से थे। असम 1874 में ही अलग हो गया था। इतने बड़े राज्य का प्रशासन चलाना वास्तव में कठिन था, लेकिन अंग्रेजों ने इस राज्य के बँटवारे का फैसला प्रशासनिक कारणों से नहीं, बल्कि राजनीतिक कारणों से लिया। 20वीं सदी के आरंभ से ही आभास हो रहा था कि भारत में राष्ट्रीय चेतना विकसित होती जा रही थी और जुझारू रूख अख्तियार कर रही थी। भारतीय राष्ट्रीय चेतना का केन्द्र था बंगाल। अंग्रेजों द्वारा बंग-भंग का कदम इसी जुझारू चेतना पर आघात करने और 'फूट डालो और राज करो' की नीति के अंतर्गत उठाया गया था, जिसका तीव्र विरोध हुआ।

एनी बेसेंट और होमरूल आन्दोलन

देश में स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए न केवल भारतीय नेताओं ने अपनी जान की बाजी लगाई बल्कि अनेक विदेशी नागरिकों ने भी भारत को स्वतंत्रता दिलाने में अपना योगदान दिया। भारत के स्वतंत्रता-संग्राम में एनी बेसेंट और उनके होमरूल आन्दोलन का विशेष योगदान रहा। एनी बेसेंट का जन्म अक्टूबर, 1847 में लंदन में हुआ था। ''1893 में एनी बेसेंट थियोसोफिकल सोसाइटी के आमंत्रण पर भारत पहुँची।'' एनी बेसेंट हिंदू धर्म से बहुत प्रभावित थी। उन्होंने हिन्दू धर्म, दर्शन और संस्कृति के अध्ययन के साथ-साथ हिंदू आचार-व्यवहार को भी आदर की दृष्टि से देखा। एनी बेसेंट ने भारतीयों को अपनी मान्यताओं के प्रति सम्मान करना सिखाया।

क्रांतिकारी गतिविधियाँ और महिलाएँ

क्रांतिकारी राष्ट्रवाद अथवा आतंकवाद लाल-बाल-पाल घोष आदि के राजनीतिक उग्रवाद से सर्वथा भिन्न था। उग्रवादी उदारवादियों की राजनीतिक भिक्षावृत्ति की नीति से असन्तुष्ट होकर ब्रिटिश साम्राज्यवाद के विरुद्ध सक्रिय विरोध का प्रतिपादन करते थे, लेकिन यह विरोध अथवा संघर्ष शान्तिमय और दबावपूर्ण होता था जिसमें हिंसा और तोड़-फोड़ को कोई प्रश्रय नहीं दिया गया था। इसके विपरित क्रांतिकारियों ने हिंसा और तोड़-फोड़ को अपना हथियार बनाया।
क्रांतिकारी 'बम्ब नीति' में विश्वास करते थे। स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए उन्होंने गुप्त व खुली हत्याओं द्वारा सरकारी सम्पत्ति के विनाश, तोड़-फोड़ आदि का सहारा लेने में कुछ भी अनुचित नहीं समझा। आतंकवादी-क्रांतिकारी कोरे हत्यारे या डाकू नहीं थे- वे देशभक्त थे और मातृभूमि के लिए सिर कटा देने की तमन्ना रखते थे। क्रांतिकारी विदेशी शासकों के दिल में यह भय पैदा कर देना चाहते थे कि देशभक्तों की हत्याओं का बदला हत्याएँ होंगी। 'रेन्ड के सहायक लेफ्टिनेन्ट जनरल डायर, सांडर्स आदि ब्रिटिश अधिकारियों की हत्याओं और 1907 में मिदानापुर के निकट उप-गर्वनर की रेलगाड़ी उड़ाने के प्रयास, क्रांतिकारियों द्वारा किए गए।' क्रांतिकारी अथवा आतंकवादी का विस्फोट महाराष्ट्र में हुआ, जहाँ 1899 में मिरेन्ड तथा ले. आयरेस्ट को गोली का शिकार बनाया गया। महाराष्ट्र में वीर सावरकर, श्यामजी वर्मा, गणेश सावरकर और चापेकर बन्धु, बंगाल में वीरेन्द्र कुमार घोष, भुवेन्द्र नाथ दत्त, पंजाब में सरदार अजीत सिंह, भाई परमानन्द, बालमुक्द तथा लाला हरदयाल प्रमुख क्रांतिकारी नेता थे। इंग्लैण्ड में श्याम जी कृष्णा वर्मा, फ्रांस में मैडम कामा और अमेरिका में लाल हरदयाल ने क्रांतिकारी गतिविधियो का संचालन किया।

निष्कर्ष

स्वतंत्रता आन्दोलन की क्रांतिकारी महिलाओं में एक और प्रमुख नाम उभर कर आता है - वह है 'दुर्गा भाभी' का। दुर्गा भाभी का जन्म 7 अक्टूबर, 1907 को इलाहबाद में हुआ था।' दुर्गा भाभी भगवती बाबू जैसे महान क्रांतिकारी की पत्नी थी। उन्होंने अपने पति की क्रांतिकारी गतिविधियों में पूरा सहयोग दिया। वे दल के लिए पैसा इकट्ठा करती थी, क्रांति से संबन्धित परचे बाँटती थी, घर पर आए क्रांतिकारियों का स्वागत-सत्कार करती थी, उन्हें आश्रय देती थी। भगत सिंह द्वारा सांडर्स की हत्या करने पर वह भगत की पत्नी के रूप में उनके साथ कलकत्ता गई। भाभी ने इस जोखिम भरे रास्ते में आवश्यकता पड़ने पर उपयोग के लिए पिस्तौल भी छिपा रखी थी। 'भगवती बाबू अपनी पत्नी के इस साहसपूर्ण कार्य पर बहुत प्रसन्न हुए। भाभी ने गांधी जी से अन्य क्रांतिकारियों के साथ भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को छुड़ाने की शर्त वायसराय के सामने रखने के लिए कहा।' बम्बई में भाभी ने बाबा पृथ्वी सिंह आजाद के सहयोग से पुलिस कमिश्नर हेली को मारने की योजना बनाई लेकिन वह योजना सफल न हो सकी। इतिहास साक्षी है कि इस आदर्श पति-पत्नी ने वास्तव में ही, क्रांतिकारी देशभक्तों के साथ भैया-भाभी का संबंध निभाया। सरला देवी जिन्होंने स्वदेशी आन्दोलन और बंग-भंग आन्दोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, उन्होंने भी अनेक क्रांतिकारी गतिविधियों में भाग लिया और 1905 में बंगाल व पंजाब के क्रांतिकारियों के बीच संपर्क सूत्र का काम किया।

उपसंहार

महिलाओं ने देश के स्वतंत्रता समर की प्रत्येक रणनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्त्रियों के द्वारा अपने लिए मताधिकार की माँग को लेकर लड़ना हो या देश को स्वतंत्र कराने में अपना सर्वस्व न्यौछावर करने की बात हो, स्त्रियों ने सभी क्षेत्रों में पूरी तत्परता के साथ काम किया। वैदिक काल के बाद भले ही नारी इस समय पुरुषों से अनेक क्षेत्रों में पीछे थी लेकिन इन्होंने पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अपने देश के स्वतंत्रता संघर्ष में भाग लिया। असंख्य महिलाओं के स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने के कारण ही आजादी का यह महान आंदोलन सक्रिय बन पड़ा। स्त्रियों ने देश के प्रति प्रेम भावना का परिचय देते हुए व उसे स्वतंत्र कराने के लिए सभी तरीको से अपना योगदान दिया। शांति प्रिय आंदोलनों से लेकर क्रांतिकारी आन्दोलनों में स्त्रियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महिलाओं ने राष्ट्रीय आन्दोलन के इतिहास में अपने आप को विविध आयामों के साथ प्रस्तुत किया।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. विपिन चन्द्र, भारत का स्वतन्त्रता संघर्श, पृ. सं. 2
2. विश्व प्रकाश गुप्ता, मोहिनी गुप्त, स्वतंत्रता संग्राम और महिलाएं, पृ. सं. 91
3. डॉ. एस.एल. नागोरी, कान्ता नागोरी, भारतीय वीरांगनाएँ, पृ. सं. 14-15
4. विश्वप्रकाश गुप्त, मोहिनी गुप्त, स्वतंत्रता-संग्राम और महिलाएँ, पृ. सं. 94
5. एल.पी. माथुर, भारत की महिला स्वतंत्रता सेनानी, पृ. सं. 15
6. शालिनी सक्सेना - स्वाधीनता आंदोलन में मध्यप्रान्त की महिलाएं, पृ. सं.-2
7. आशारानी व्होरा - महिलाएं और स्वराज्य, पृ. सं.-146
8. प्रयागदत्त शुक्ल - क्रांति के चरण, पृ. सं.- 84
9. मोहम्मद शमीम - छत्तीसगढ में गांधीवादी आन्दोलन में छात्रों की भूमिका (अप्रकाशित शोध प्रबंध), पृ सं. 19
10. विजय एग्न्यू - वीमने इन इण्डियन पालिटिक्स, पृ सं.-8
11. राज लक्ष्मी गौड़ - नारी जागरण और गांधी जी (लेख), मध्यप्रदेश संदेश, 1971
12. जीवंतराम भगवानदास - महात्मा गांधी जी जीवन और चिंतन, कृपलानी पृ. सं. 91

अचानक से ओखला फेज-1 पहुंचे राहुल गांधी

लोगों से जाना हाल; वर्कशॉप में गाड़ियों के कसे नट-बोल्ट

परिवहन विशेष

ओखला औद्योगिक क्षेत्र के फेस-वन इलाके में कांग्रेस के नेता राहुल गांधी अचानक से लोगों का हाल-चाल पूछने के लिए पहुंच गए। वहीं अपने बीच अचानक राहुल गांधी को देखकर लोग अचंभित हो गए। इस दौरान राहुल गांधी तकरीबन एक घंटे तक लोगों के बीच रहे और लोगों का हालचाल जाना। साथ ही भारत जोड़ो यात्रा कैसी रही इसके बारे में भी लोगों से पूछा और लोगों से राय ली।

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी लगातार किसी ना किसी क्षेत्र में पहुंचकर लोगों से जमीनी हालात जानने में जुटे हैं। इसी कड़ी में राहुल गांधी सोमवार को ओखला औद्योगिक क्षेत्र के फेज एक इलाके में पहुंचे। बिना किसी पूर्व सूचना के आम लोगों के बीच अचानक पहुंचे राहुल को अपने बीच पाकर स्थानीय लोग अचंभित हो उठे।

राहुल गांधी तकरीबन एक घंटे तक इलाके में लोगों के बीच रहे और स्थानीय लोगों का हालचाल जाना। इस दौरान उन्होंने एक मोटरसाइकिल वर्कशॉप में जाकर वहां कार्य कर रहे कर्मचारियों से मुलाकात की।

भारत जोड़ो यात्रा का लिया फीडबैक

साथ ही मौके पर मौजूद लोगों से भारत जोड़ो यात्रा के बारे में फीडबैक और राय भी ली। कुछ ही देर बाद सुरक्षा और राहुल गांधी को देखने के लिए लोगों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए राहुल गांधी वहां से रवाना हो गए।

खुद से गाड़ियों के नट-बोल्ट कसे

स्थानीय लोगों ने बताया कि सोमवार दोपहर करीब एक बजे राहुल गांधी अचानक उनके बीच पहुंच गए और वर्कशॉप में अपने हाथों से गाड़ियों के नट-बोल्ट को टाइट किया। इस दौरान उनके हाथों में ग्रीस, मोबिल व कालिख इत्यादि भी लग गई, जिसके बाद वह अपने हाथों को साफ कर वर्कशाप से बाहर निकले।

इस दौरान उन्होंने कर्मचारियों से हाथ मिलाया और उनका हालचाल जाना। साथ ही उनके भारत जोड़ो यात्रा के बारे में भी चर्चा की।

लगे राहुल गांधी जिंदाबाद के नारे

इस दौरान राहुल गांधी को देखने पहुंचे भीड़ ने राहुल गांधी जिंदाबाद के नारे लगाए जिसके बाद लोगों से विदा लेकर वह निकल गए। राहुल गांधी से मिलने वाले लोगों ने बताया कि अचानक से उनके इलाके में कांग्रेस के इतने बड़े नेता राहुल गांधी पहुंचे। उन्हें विश्वास नहीं हो रहा था। उनका स्वभाव काफी मिलनसार था और बिल्कुल आम लोगों की तरह व्यवहार किया।

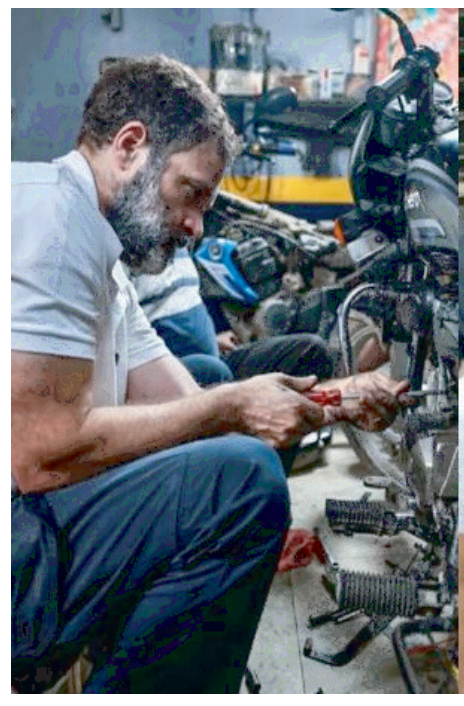

दिल्ली में निवेश के नाम पर महिला ने 100 लोगों से की लाखों की ठगी, जानिए पूरा मामला

दिल्ली के मदनपुर खादर की एक झुग्गी बस्ती के 100 से अधिक निवासियों ने एक महिला और कुछ अन्य लोगों पर चिटफंड जैसी योजना में निवेश करवाकर उनसे लाखों रुपये ठग लिए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपितों ने पीड़ितों से उनके बच्चों की स्टेशनरी की वार्षिक आपूर्ति से लेकर उनकी बेटियों की शादी और दहेज-जोड़ने तक अलग-अलग बहानों से निवेश कराया। इसके बाद मोटी रकम लेकर फरार हो गए।

नई दिल्ली। दिल्ली के मदनपुर खादर की एक झुग्गी बस्ती के 100 से अधिक निवासियों ने एक महिला और कुछ अन्य लोगों पर चिटफंड जैसी योजना में निवेश करवाकर उनसे लाखों रुपये ठग लिए। मामले में दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने प्राइज चिट्स एंड मनी सर्कुलेशन स्कीम्स (प्रतिबंध) अधिनियम के तहत धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और आपराधिक साजिश का मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपितों ने पीड़ितों से उनके बच्चों की स्टेशनरी की वार्षिक आपूर्ति से लेकर उनकी बेटियों की शादी और दहेज-जोड़ने तक अलग-अलग बहानों से निवेश कराया। इसके बाद मोटी रकम लेकर फरार हो गए। अधिकांश पीड़ित या तो गृहिणी हैं या कम वेतन वाली नौकरियां करते हैं। पीड़ितों में एक ने बताया कि गत वर्ष जून में एक एनजीओ चलाने का दावा करने वाली एक महिला ने संपर्क किया और मुनाफा देने के बहाने छोटी राशि का निवेश करने के लिए कहा। अभी तक की जांच में सामने आया है कि 100 के करीब लोगों ने निवेश किया है। पुलिस फिलहाल सभी पीड़ितों से संपर्क कर रही है।

दिल्ली की विजिलेंस मंत्री बनते ही एक्शन में आतिशी, पहले दिन रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार को लेकर शुरू की जांच

विजिलेंस (सतर्कता) विभाग संभालते ही आतिशी एक्शन में नजर आई। उन्होंने सोमवार को मुख्य सचिव को नोट लिखकर शिकायत की है कि एसडीएम दफ्तर में सर्टिफिकेट से जुड़े काम पूरे करने के लिए गवर्नमेंट ऑफिसियल द्वारा रिश्वत मांगी जा रही है। विजिलेंस मंत्री आतिशी ने मुख्य सचिव को अधिकारियों की एक टीम बनाकर एसडीएम दफ्तर भेजने के निर्देश दिए हैं।

नई दिल्ली। विजिलेंस (सतर्कता) विभाग संभालते ही आतिशी एक्शन में नजर आई। उन्होंने सोमवार को मुख्य सचिव को नोट लिखकर शिकायत की है कि एसडीएम दफ्तर में सर्टिफिकेट से जुड़े काम पूरे करने के लिए गवर्नमेंट ऑफिसियल द्वारा रिश्वत मांगी जा रही है। विजिलेंस मंत्री आतिशी ने मुख्य सचिव को अधिकारियों की एक टीम बनाकर एसडीएम दफ्तर भेजने के निर्देश दिए हैं। आतिशी ने मुख्य सचिव को खुद कम से कम पांच एसडीएम दफ्तर का दौरा कर भ्रष्टाचार के मामले की जांच करने के भी निर्देश दिए हैं।

घुमक्कड़ों के लिए काम की खबर: यात्री अब IRCTC प्लेटफार्म से ले सकेंगे मेट्रो टिकट, जानें क्या है तैयारी

ये डीएमआरसी टिकट भारतीय रेलवे की अग्रिम आरक्षण अवधि के अनुरूप आरक्षित किए जा सकते हैं। इन सेवाओं को एकीकृत करके यात्री अब आसानी से एक ही बार में अपनी पूरी यात्रा की योजना बना सकते हैं।

***नई दिल्ली।** दिल्ली मेट्रो व भारतीय रेल से यात्रा करने वाले यात्रियों का सफर अब आसान होगा। यात्री अब आईआरसीटीसी के प्लेटफार्म से मेट्रो टिकट खरीद सकते हैं। इसे 'एक भारत-एक टिकट' पहल के तहत यात्री आईआरसीटीसी के माध्यम से डीएमआरसी सेवाओं की क्यूआर कोड-आधारित टिकट ले सकते हैं। इससे यात्रियों को दिल्ली मेट्रो के स्टेशनों पर जाकर लाइन में लगने से छुटकारा मिल जाएगा और समय की भी बचत होगी। भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) और दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने सुगम यात्रा के लिए टिकट प्रणाली को आसान बनाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इसे यात्रियों के लिए सुविधा और यात्रा में आसानी बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस साझेदारी के तहत जो यात्री रेलवे, हवाई यात्रा या बसों के लिए आईआरसीटीसी प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन टिकट बुक करते हैं, उन्हें अब डीएमआरसी क्यूआर कोड आधारित टिकटों को निर्बाध रूप से आरक्षित करने की अतिरिक्त सुविधा मिलेगी।*

सामने से आ रही कार ने स्कूटी सवार मां-बेटे को मारी टक्कर, युवक की मौत

परिवहन विशेष

खजूरी खास इलाके में विपरीत दिशा में आ रही कार ने स्कूटी सवार मां-बेटे को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के लिए मोहम्मद उमर और उसकी मां शहनाज को को जगह प्रवेश चंद अस्पताल में भर्ती करवाया जहां डाक्टरों ने उमर को मृत घोषित कर दिया। उसकी मां का इलाज जारी है। पुलिस ने कार चालक राहुल को गिरफ्तार कर लिया है।

नई दिल्ली। खजूरी खास इलाके में विपरीत दिशा में आ रही कार ने स्कूटी सवार मां बेटे को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के लिए मोहम्मद उमर और उसकी मां शहनाज को को जगह प्रवेश चंद अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां डाक्टरों ने उमर को मृत घोषित कर दिया। उसकी मां का इलाज जारी है।

पुलिस ने कार चालक राहुल को गिरफ्तार कर लिया है। खजूरी खास थाना पुलिस ने प्राथमिकी पंजीकृत कर मामले की जांच कर रही है। मोहम्मद उमर अपने परिवार के साथ गाजियाबाद स्थित पूजा कॉलोनी में रहते थे।

परिवार में पिता, मां व चार बहने हैं। वह निजी कंपनी में नौकरी करते थे। उन्होंने पुरानी दिल्ली स्थित जामा मस्जिद क्षेत्र में किराये पर घर लिया था। वह घर का सामान वहां स्थानांतरित कर रहे थे। वह शनिवार देर रात 1:30 बजे वह अपनी मां के साथ जामा मस्जिद से पूजा कॉलोनी जा रहे थे।

जब वह खजूरी पुश्ता स्थित पुलिस कैंप के पास पहुंचे, तभी सामने आ रही एक स्विफ्ट डिजायर कार ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही मां-बेटे सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। वहां पर मौजूद लोगों ने आरोपित कार चालक को मौके पर ही पकड़ लिया।

90 जगहों पर कंपन को मापने के लिए DMRC ने निकाला टेंडर, 30 दिन में पूरा करना होगा काम

दिल्ली मेट्रो के बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और दक्षता को बढ़ाने के लिए डीएमआरसी ने अपने नेटवर्क के लिए 90 जगहों पर कंपम मापने के लिए निविदा आमंत्रित किया है। सोमवार को इस संबंध में अधिकारियों ने जानकारी दी है। इस काम को टेंडर मिलने के 30 दिन अंदर पूरा किया जाएगा। इन स्थानों को आंतरिक मूल्यांकन के अनुसार उचित समय पर अंतिम रूप दिया जाएगा।

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो के बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और दक्षता को बढ़ाने के लिए डीएमआरसी ने अपने नेटवर्क के लिए 90 जगहों पर कंपम मापने के लिए निविदा आमंत्रित किया है। सोमवार को इस संबंध में अधिकारियों ने जानकारी दी है।

30 दिन में पूरा करना होगा काम

अधिकारियों ने बताया कि इस काम को टेंडर मिलने के 30 दिन अंदर पूरा किया जाएगा। इन स्थानों को आंतरिक मूल्यांकन के अनुसार उचित समय पर अंतिम रूप दिया जाएगा। कंपन को मापने और निगरानी के लिए ट्राई एक्सिएल वेलोसिटी सेंसर का उपयोग किया जाएगा। विधिवत कैलिब्रेटेड वेलोसिटी सेंसर के साथ निगरानी 24 घंटे की जाएगी। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मॉनिटरिंग कंप्लीट होने के सात दिन बाद डीएमआरसी को एजेंसी रिपोर्ट सौपेगा। उन्हें आरडीएसओ और एफटीए द्वारा निर्धारित गाइडलाइन का पालन करना होगा।

कंपन को कम करने के किए जाते उपाय

एक अधिकारी की ओर से बताया गया कि जब भी कंपन के बारे में शिकायत मिलती है तो निगरानी की जाती है। निगरानी के जरिए कंपन के वास्तविक स्रोतों की पहचान की जाती है और उस स्थान पर कंपन को कम करने के लिए आवश्यक उपाय भी किए जाते हैं। डीएमआरसी हमेशा अपनी संरचनाओं के साथ-साथ आसपास की इमारतों की सुरक्षा को लेकर चिंतित रही है। पहले भी आस-पास की इमारतों में संचारित कंपन को कम करने के लिए पटरियों के साथ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विशेष रूप से डिजाइन किए गए शॉक अवशोषक की स्थापना, पटरियों पर अतिरिक्त पैडिंग आदि जैसे कई उपाय किए गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि इन पहलों से न केवल यात्री सुविधा बढ़ी है, बल्कि आसपास की इमारतों की संरचनात्मक अखंडता की भी रक्षा हुई है। इस नए अभ्यास से एकत्रित डेटा पिछले उपायों की प्रभावशीलता में ₹महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि₹ प्रदान करेगा और भविष्य में सुधारों का मार्गदर्शन करेगा।

मंदिर में भीख मांगता मिला हत्यारा: पहले की पार्टनर की हत्या, फिर चला आत्महत्या करने; 12 दिन बाद पुलिस ने दबोचा

एक युवक ने अपनी लिव-इन पार्टनर की हथौड़े से वार कर बेरहमी से हत्या कर दी और उसके बाद खुद भी आत्महत्या करना चाहता था। अब करीब 12 दिन बाद पुलिस ने आरोपी को यमुना बाजार से गिरफ्तार किया है।

नई दिल्ली। गीता कॉलोनी इलाके में शक की वजह से एक युवक ने अपनी लिव-इन पार्टनर की हथौड़े से वार कर बेरहमी से हत्या कर दी थी। हत्या के बाद आरोपी खुद भी आत्महत्या करने की बात कर घर से निकल गया। पुलिस को भी उसकी आखिरी लोकेशन यमुना खादर, शांति वन के पास की मिली। आत्महत्या की आशंका जताकर पुलिस ने यमुना में सर्च ऑपरेशन चलवाने के अलावा आगरा तक उसकी तलाश की, लेकिन युवक का पता नहीं चला। अब करीब 12 दिन बाद पुलिस ने आरोपी को यमुना बाजार के पास मरघट वाले हनुमान मंदिर के पास भीख मांगते दबोच लिया। आरोपी ने पुलिस से बचने के लिए अपना वेश बदला हुआ था।

आरोपी ने की थी आत्महत्या की कोशिश

आरोपी की पहचान न्यू लाहौर शास्त्री नगर निवासी दीपक कुमार के रूप में हुई है। इसके एक हाथ में कट का निशान मिला है। उस पर पट्टी बंधी हुई थी। दीपक ने दावा किया है कि उसने आत्महत्या करने की कोशिश की थी, लेकिन वह हिम्मत नहीं जुटा पाया। पुलिस ने आरोपी के पास से वारदात में इस्तेमाल हथौड़ा और अन्य सामान बरामद कर लिया है।

लिव इन पार्टनर की हत्या कर हुआ फरार

शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त रोहित मीणा ने बताया कि एक अगस्त को गीता कॉलोनी के न्यू लाहौर, शास्त्री नगर से एक युवक ने अपनी बहन की हत्या की सूचना दी थी। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तो वहां पूजा नामक महिला का शव बरामद हुआ। पूजा अपने बेटे दावेश उर्फ हरी (16) के साथ अपने लिव-इन पार्टनर के साथ रहती थी। वारदात के बाद से पूजा का पार्टनर मौके से फरार था।

पुलिस को आरोपी का ऐसा मिला सुराग

छानबीन के दौरान पुलिस को पता चला कि वर्ष 2016 से पूजा दीपक कुमार नामक ऑटो चालक के साथ सहमति संबंध में रह रही थी। 25 जुलाई से झगड़ा होने के बाद दीपक नजफगढ़ जाकर रहने लगा था। पुलिस की टीम वहां पहुंची तो एक सुसाइड नोट बरामद हुआ। नोट में दीपक ने लिखा कि शक की वजह से उसने पूजा की हत्या कर दी, अब वह भी आत्महत्या करने जा रहा है। पुलिस ने दीपक की बहन से संपर्क किया तो उसने बताया कि उसके भाई ने उसे कॉल कर आत्महत्या की बात की थी।

यमुना बाजार के रैन बसेरे से सुराग मिला।

आरोपी की तलाश में हनुमान मंदिर पहुंची पुलिस

पुलिस टीम यमुना खादर पहुंची और दीपक की तलाश की। इसके बाद एक टीम को आगरा भी भेजा गया। वहां यमुना में मिले लावारिस शवों की भी पड़ताल की गई, लेकिन दीपक से मिलता-जुलता शव नहीं मिला।

यमुना ने फिर बजाई खतरे की घंटी: दिल्ली पर फिर मंडरा रहा बाढ़ का संकट, पहाड़ों पर भारी बारिश से बढ़ रहा जलस्तर

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की वेबसाइट के अनुसार, पुराने रेलवे ब्रिज पर नदी का जल स्तर दोपहर तीन बजे 203.48 मीटर था और यह और बढ़ रहा है। बुधवार तक जलस्तर में और वृद्धि देखने को मिल सकती है।

पहाड़ों पर हो रही भारी बारिश का असर मैदानी इलाकों में भी अब दिखने लगा है। इसी क्रम में दिल्ली में यमुना नदी के जलस्तर में भी तेजी दिखने को मिल रही है। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की वेबसाइट के अनुसार, पुराने रेलवे ब्रिज पर नदी का जल स्तर दोपहर तीन बजे 203.48 मीटर था और यह और बढ़ रहा है।

हरियाणा के यमुनानगर में हथिनीकुंड बैराज पर प्रवाह दर सुबह 9 बजे बढ़कर 75,000 क्यूसेक हो गई, जो 26 जुलाई के बाद सबसे अधिक है। सीडब्ल्यूसी के पांच दिवसीय बाढ़ पूर्वानुमान से पता चलता है कि बुधवार को जल स्तर 204.5 मीटर के चेतावनी स्तर को छू सकता है। दिल्ली सरकार के सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग के एक अधिकारी ने कहा हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं. जलस्तर बढ़ सकता है लेकिन गंभीर स्थिति की संभावना नहीं है।

जुलाई में बाढ़ से मचा था हाहाकार

मध्य जुलाई में राजधानी और पहाड़ों पर भारी वर्षा के कारण दिल्ली को भीषण बाढ़ का सामना करना पड़ा। 13 जुलाई को यमुना नदी रिकॉर्ड 208.66 मीटर तक बढ़ गई थी, जिससे पिछले रिकॉर्ड भी टूट गए थे। बीते कई सालों की तुलना में शहर में अधिक अंदर तक बाढ़ का पानी घुस आया था। बाढ़ग्रस्त इलाकों से 27000 से अधिक लोगों को निकाला गया। संपत्ति, कारोबार और कमाई के मामले में करोड़ों रुपये तक का नुकसान हुआ है।

लिव-इन पार्टनर की हत्या कर मंदिर के बाहर मांग रहा था भीख, पुलिस ने आरोपी को दबोचा

दिल्ली के गीता कालोनी में लिव इन पार्टनर की हथौड़े से ताबड़तोड़ वार कर हत्या करने वाले शख्स को गीता कालोनी थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसने पुलिस को गुमराह करने के लिए पार्टनर की हत्या करने के बाद मौके पर एक सुसाइड नोट छोड़ दिया था। इसके बाद वह वेश बदलकर मंदिर के बाहर भीख मांग रहा था।

पूर्वी दिल्ली। गीता कॉलोनी इलाके में लिव इन पार्टनर की हथौड़े से ताबड़तोड़ वार कर हत्या करने वाले शख्स को गीता कालोनी थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। महिला पार्टनर की हत्या करने के बाद आरोपित ने सुसाइड नोट छोड़कर कहा था कि वह खुदकुशी करने जा रहा है।

मंदिर के बाहर भीख मांग रहा था आरोपी

पुलिस ने 12 दिन की मेहनत के बाद आरोपित को यमुना बाजार स्थित हनुमान मंदिर के बाहर से भीख मांगते हुए गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान शास्त्री नगर निवासी दीपक कुमार के रूप में हुई है। शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त रोहित मीना ने बताया कि एक अगस्त को शास्त्री नगर में एक महिला की हत्या की सूचना मिली थी।

ऑटो चालक के साथ रहती थी महिला

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां पूजा नाम की महिला का शव पड़ा हुआ था। पुलिस को पता चला कि महिला वर्ष 2016 से अपने नाबालिग बेटे के साथ ऑटो चालक दीपक के साथ रह रही थी। 25 जुलाई को दोनों के बीच विवाद हुआ था, उसके बाद दीपक नजफगढ़ में जाकर रहने लगा। पुलिस को जांच के दौरान दीपक के घर में उसका एक नोट मिला।

अपनी पार्टनर के चरित्र पर उसे शक था

उसमें उसने लिखा हुआ था कि उसे अपनी पार्टनर के चरित्र पर शक था। इसलिए उसने उसकी हत्या की है, उसकी हत्या के बाद वह खुदकुशी करने जा रहा है। दीपक के मोबाइल की आखिरी लोकेशन गीता कालोनी में यमुना के पास की मिली। उसके बाद से ही उसका फोन बंद आ रहा था।

पुलिस ने उसकी बहन से संपर्क किया तो उसने बताया कि उसके भाई ने उसे कॉल करके कहा था कि वह मरने जा रहा है। थानाध्यक्ष सत्यवान लठवाल, इंस्पेक्टर सीपी सिंह, शशिकांत व अन्य की टीम बनाई। पुलिस ने मोबाइल लाकेशन के जरिये यमुना किनारे मिले शवों की पहचान की। किसी भी शव की पहचान दीपक से नहीं हुई।

पुलिस को शक था कि दीपक ने खुद को पुलिस से बचाने के लिए खुदकुशी की बात कही है। पुलिस ने रेलवे स्टेशन, बस अड्डे, गुरुद्वारे व मंदिरों में उसकी तलाश की। पुलिस जांच करते हुए हनुमान मंदिर के बाहर पहुंची, वहां पर आरोपित वेश बदलकर भीख मांग रहा था। पुलिस ने उसे दबोच लिया।

हथौड़ा मारकर पार्टनर की हत्या की

आरोपित ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि उसने पूजा की हत्या की है। साजिश पहले ही रच ली थी। उसने नजफगढ़ में जो कमरा लिया था, वहां एक सुसाइड नोट लिखकर छोड़ा था। वह पूजा के घर पहुंचा और उसके बेटे को ट्यूशन भेजकर घर में रखे हथौड़े से वार कर उसकी हत्या कर दी। बाद में उसने खुद के हाथ की नस काटकर खुदकुशी की कोशिश की थी, लेकिन वह मरने की हिम्मत नहीं जुटा सका। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल हथौड़ा बरामद कर लिया है।

गाजियाबाद में रक्षा बंधन पर बहनों को तोहफा

रोडवेज बसों में मुफ्त में कर सकेंगी सफर...

परिवहन विशेष न्यूज

त्योहार के चलते बसों में बहुत ज्यादा भीड़ होती है। इससे महिलाओं को अपने घर जाने में सबसे ज्यादा परेशानी होती है। इसको लेकर रोडवेज के अधिकारी क्या तैयारी कर रहे हैं। महिलाओं के लिए इस बार यात्रा में किस प्रकार की छूट मिलेगी और सहूलियत रहेगी। इन सभी बिंदुओं पर उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक केसरी नंदन चौधरी से विस्तृत बात की।

30 अगस्त को रक्षा बंधन का त्योहार है। त्योहार के चलते बसों में बहुत ज्यादा भीड़ होती है। इससे महिलाओं को अपने घर जाने में सबसे ज्यादा परेशानी होती है। इसको लेकर रोडवेज के अधिकारी क्या तैयारी कर रहे हैं।

महिलाओं के लिए इस बार यात्रा में किस प्रकार की छूट मिलेगी और सहूलियत रहेगी। किसी भी तरह की परेशानी होने पर वह कहां शिकायत कर सकेंगी। इन सभी बिंदुओं पर उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक केसरी नंदन चौधरी से राहुल कुमार ने विस्तृत बात की। पेश हैं उसके कुछ अंश...।

रक्षाबंधन पर महिलाओं के लिए इस बार भी फ्री यात्रा करने की सुविधा रहेगी या नहीं?

पिछले कई साल से रक्षा बंधन पर हर बार महिलाओं के लिए निश्शुल्क बस सेवा रहती है। इस बार भी 29 अगस्त की रात से 30 अगस्त तक महिलाओं के लिए निश्शुल्क सेवा रहेगी। इसकी तैयारी की जा रही हैं। शासनादेश प्राप्त होते ही एडवाइजरी जारी की जाएगी।

रक्षाबंधन पर महिलाओं को बसों में लटक कर व खड़े होकर भी सफर करना पड़ता है। इस बार क्या खास इंतजाम किए गए हैं, जिससे उन्हें परेशानी न हो?

त्योहार पर भीड़ ज्यादा होने के कारण थोड़ी परेशानी हो जाती है। इस बार कोई परेशानी न हो इसके लिए जो बसें खराब खड़ी हुई हैं, उन्हें भी ठीक कराया जा रहा है। कौशांबी बस डिपो से 162, गाजियाबाद डिपो से 58 व साहिबाबाद डिपो से 180 बसों का संचालन किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर अनुबंधित बसों को भी चलाया जाएगा। बसों के फेरे भी बढ़ाए जाएंगे। जिससे लोगों को परेशानी न हो।

सफर के दौरान महिलाओं को विभिन्न प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कई बार महिलाओं से चालक व परिचालक अभद्र व्यवहार भी कर देते हैं। महिलाएं कहां शिकायत करें?

सभी बसों में उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक व सेवा प्रबंधक के नंबर लिखे होते हैं। महिलाएं इन पर काल कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकती हैं। इसके अलावा रक्षा बंधन पर दो दिन के लिए कौशांबी बस डिपो में अलग से नियंत्रण कक्ष भी बनाया जाएगा।

जिले में प्रदूषण बड़ी समस्या है। वाहनों से भी प्रदूषण फैलता है। इसे रोकने के लिए परिवहन निगम क्या कर रहा है और इससे प्रदूषण किस स्तर तक कम हो सकेगा?

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने सभी बसों को इलेक्ट्रिक या बीएस-6 में बदलने के लिए कहा था। एनसीआर में आने वाली सभी 988 बसों को बीएस-6 में बदलने का काम कर रहे हैं। अभी तक 62 बस मिल चुकी हैं। सितंबर में 70 और मिलने की उम्मीद है। बसों को बीएस-6 में बदलने से काफी हद तक प्रदूषण कम होगा।

परिवहन निगम के पास बड़ी संख्या में पुरानी बसें हैं। ये बसें नीलाम होंगी या फिर दूसरे जिलों में भेजा जाएगा?

10 साल पुरानी सभी बसों को नीलाम किया जाएगा। जो बसें इससे कम की हैं उन्हें ऐसे जिलों में भेज दिया जाएगा, जहां प्रदूषण की समस्या नहीं हैं। अभी तक 130 बसों की सूची नीलामी या अन्य जिलों में भेजने के लिए तैयार की गई है। धीर-धीरे सभी बसों को बदल दिया जाएगा।

डग्गामार बसों ने कब्जा कर रखा है। लोगों को पहचान नहीं हो पाती कि यह डग्गामार बस है या रोडवेज बस है। इसके लिए क्या कर रहे हैं?

डग्गामार बसों की शिकायत लगातार मिल रही थी। इस पर एआरटीओ के साथ मिलकर डग्गामार बसों के खिलाफ अभियान शुरू किया गया है। बिना अनुमति के जो भी बसें संचालित हो रही हैं उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। बसों को जब्त किया जा रहा है।

धोखे से शादी! युवती ने पति के भाइयों पर लगाया दुष्कर्म की कोशिश का आरोप

विजयनगर में रहने वाली एक युवती की मेरठ के एक युवक के साथ धोखे से शादी करा दी गई। इसके बाद युवती से उसके तीन भाइयों ने दुष्कर्म की कोशिश की। इस मामले में कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। एसीपी कोतवाली निमिष पाटिल ने बताया कि युवती ने इस मामले में छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया है जिनमें एक महिला भी शामिल है।

मेरठ के एक युवक के साथ धोखे से शादी करा दी गई। इसके बाद युवती से उसके तीन भाइयों ने दुष्कर्म की कोशिश की। इस मामले में कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

गाजियाबाद। गाजियाबाद स्थित विजयनगर में रहने वाली एक युवती की मेरठ के एक युवक के साथ धोखे से शादी करा दी गई। इसके बाद युवती से उसके तीन भाइयों ने दुष्कर्म की कोशिश की। इस मामले में कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। एसीपी कोतवाली निमिष पाटिल ने बताया कि युवती ने इस मामले में छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया है, जिनमें एक महिला भी शामिल है।

उसका आरोप है कि महिला और नामजद एक युवक ने धोखाधड़ी कर फर्जी आधार कार्ड बनवाया और उसकी शादी मेरठ के एक युवक से करवा दी। शादी के बाद युवती उसके पति के तीन भाइयों ने दुष्कर्म की कोशिश की, विरोध पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

संदिग्ध परिस्थिति में महिला की मौत, फंदे से लटका मिला शव

रियासत के मुताबिक अर्शी की शादी मार्च 2020 में कोट कॉलोनी में अशरफ के साथ हुई थी। शादी के बाद उन्हें प्रताड़ति किया जाने लगा। जिसके चलते अर्शी मायके रहने लगी। वह तभी से तनाव में थी। मामले में एसीपी मसूरी का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का ही प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। उसके आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मुरादनगर। थाना क्षेत्र की आर्य नगर कालोनी में रविवार को एक महिला की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। महिला का शव अपने कमरे में पंखे पर फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है। कोई शिकायत पुलिस को नहीं मिली है।

आर्य नगर कालोनी के रियासत अली की बेटी अर्शी इन दिनों अपने मायके में ही रही थी। कुछ समय से पति से उनका विवाद चल रहा था। रोजाना की तरह शनिवार रात को भी अर्शी अपने कमरे में सोने चली गई थी। रविवार सुबह आठ बजे तक भी कमरे से बाहर नहीं आई। स्वजन ने आवाज लगाई लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

मार्च 2020 में अशरफ के साथ हुई थी अर्शी की शादी

परेशान आकर स्वजन ने खिड़की से देखा तो अर्शी कमरे में पंखे पर फंदे से लटक रही थी। दरवाजा तोड़कर आनन-फानन में स्वजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रियासत के मुताबिक, अर्शी की शादी मार्च 2020 में कोट कॉलोनी में अशरफ के साथ हुई थी।

शादी के बाद उन्हें प्रताड़ति किया जाने लगा। जिसके चलते अर्शी मायके रहने लगी। वह तभी से तनाव में थी। मामले में एसीपी मसूरी का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का ही प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। उसके आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल कोई शिकायत नहीं मिली है।

कुत्ते को बचाने के लिए किया फोन, खाते से कट गए पांच हजार रुपये

मधुबन बापूधाम थाना क्षेत्र के सीबीआइ अकादमी में रहने वाले शुभम सिंह ने एक कुत्ते को बचाने के लिए पशु बचाव दल को कॉल किया तो आरोपितों ने उनके खाते से पांच हजार रुपये निकाल लिए। मामले में पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। सीबीआइ अकादमी में रहने वाले शुभम छात्र हैं। उनके पिता सीबीआइ में हेड कांस्टेबल हैं।

गाजियाबाद। मधुबन बापूधाम थाना क्षेत्र के सीबीआइ अकादमी में रहने वाले शुभम सिंह ने एक कुत्ते को बचाने के लिए पशु बचाव दल को कॉल किया तो आरोपितों ने उनके खाते से पांच हजार रुपये निकाल लिए। मामले में पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज कराई है।

इंटरनेट से नंबर खोजकर की थी कॉल

सीबीआइ अकादमी में रहने वाले शुभम छात्र हैं। उनके पिता सीबीआइ में हेड कांस्टेबल हैं। शुभम का कहना है कि पास में ही दो कुत्तों के बीच लड़ाई हो गई थी। इसमें एक कुत्ता घायल हो गया था। उसका उपचार कराने के लिए उन्होंने इंटरनेट से एक पशु बचाव दल का नंबर खोजकर कॉल की। कॉल उठाने वाले ने आने के नाम पर उनसे पांच रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर करने के लिए कहा और एक कोड भेजा। उन्होंने पांच रुपये का भुगतान किया तो उनके पास कोई मैसेज नहीं आया। कुछ देर बाद खाते से पांच हजार रुपये कटने का मैसेज आया तो उन्हें ठगी का पता चला। पुलिस का कहना है कि साइबर सेल की मदद से मामले की जांच की जा रही है।

विधायक संतोष कटारिया ने "मेरी माटी मेरा देश" कार्यक्रम के तहत भारतीय सेना के सेवानिवृत्त सैनिकों को सम्मानित किया...

बलाचौर, जतिंदर पाल सिंह कलेर

देश को आजाद कराने के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर स्वतंत्रता सेनानियों और देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए अपनी शहादत देने वाले योद्धाओं को कभी भुलाया नहीं जा सकता, जिनकी बदौलत आज हम आजादी की गर्माहट का आनंद ले रहे हैं। ये विचार आज बलाचौर विधानसभा क्षेत्र के विधायक बलाचौर संतोष कटारिया ने उन शहीद योद्धाओं के परिवारों के लिए एक विशेष सम्मान समारोह के दौरान गांव बलाचौर में शहीद लेफ्टिनेंट जनरल बिक्रम सिंह के स्मारक की पूजा करने के बाद संबोधन में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भारत को अंग्रेजी हुकूमत से आजाद कराने के लिए कई पंजाबी योद्धाओं, 14 सैनिकों ने हंसते-हंसते अपनी जान दे दी और स्वतंत्र भारत की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए कई योद्धाओं ने अपनी शहादत दी। संतोष कटारिया ने कहा कि यह बड़े सम्मान की बात है कि ऐसी अभूतपूर्व शहादतें बलाचौर विधानसभा क्षेत्र के वीर योद्धाओं को भी प्राप्त हुई हैं, जिन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना देश के लिए बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि उनके बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता, जिनकी बदौलत आज हम आजादी का आनंद ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इन योद्धाओं के परिवारों के हर सुख-दुख में चट्टान की तरह खड़ी है। इस मौके पर उन्होंने शहीदों के परिजनों को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर चंद्र मोहन जेडी हलका और जिला मीडिया इंचार्ज, हनी डब्ब शहरी अध्यक्ष बलाचौर, नगर परिषद बलाचौर के कार्यकारी अधिकारी भजन चंद, भारत भूषण शर्मा सेनेटरी इंस्पेक्टर, आप नेता निर्मला देवी, डॉ. कश्मीर सिंह ढिल्लों और अन्य प्रमुख हस्तियां भी उपस्थित थीं।

अब दो शिफ्ट में काम करेंगे यातायात पुलिसकर्मी, स्वतंत्रता दिवस से होगा बदलाव

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शहरवासियों को जाम की समस्या से आजादी दिलाने के लिए पुलिस विभाग द्वारा नई पहल की जाएगी। जिसके तहत यातायात पुलिसकर्मियों की ड्यूटी अब दो शिफ्टों में होगी। ऐसे में लोगों को रोजाना सुबह लगने वाले जाम की समस्या से छुटकारा मिलने की उम्मीद है। जाम की समस्या को कम करने के लिए नए स्थानों पर भी पुलिसकर्मियों की तैनाती रहेगी।

गाजियाबाद। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शहरवासियों को जाम की समस्या से आजादी दिलाने के लिए पुलिस विभाग द्वारा नई पहल की जाएगी। जिसके तहत यातायात पुलिसकर्मियों की ड्यूटी अब दो शिफ्टों में होगी। ऐसे में लोगों को रोजाना सुबह लगने वाले जाम की समस्या से छुटकारा मिलने की उम्मीद है। जाम की समस्या को कम करने के लिए नए स्थानों पर भी पुलिसकर्मियों की तैनाती रहेगी। दो शिफ्ट में पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाने में पुलिसकर्मियों की संख्या में कमी न महसूस हो, इसके लिए कुछ चेकिंग प्वाइंट कम किए गए हैं तो कई चेकिंग प्वाइंट से पुलिसकर्मियों की संख्या कम की गई है।

वर्तमान में सुबह साढ़े सात बजे से यातायात पुलिसकर्मियों की ड्यूटी शुरू होती है, रात दस बजे तक ड्यूटी पर यातायात पुलिसकर्मी तैनात रहते हैं। इस बीच दो घंटे का उनको अवकाश मिलता है।

पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर शहर में जाम की समस्या को कम करने के लिए पुलिस अधिकारियों ने सर्वे कर अपनी रिपोर्ट दी है। एडीसीपी यातायात रामानंद कुशवाहा ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत स्वतंत्रता दिवस से यातायात विभाग में कार्यरत सिपाहियों और मुख्य आरक्षियों के ड्यूटी टाइम में बदलाव किया जाएगा। सुबह सात बजे से दोपहर तीन बजे तक एक शिफ्ट और दोपहर दो बजे से रात को दस बजे तक दूसरी शिफ्ट होगी।

जरूरत पड़ने पर सुधार भी होगा

पुलिसकर्मियों के ड्यूटी प्वाइंट को 186 से कम कर 152 किया गया है। इसमें कुछ नए स्थान को चेकिंग प्वाइंट बनाया गया है तो कई स्थानों पर आवश्यक कार्य कराकर वहां से पुलिसकर्मियो की ड्यूटी हटाई गई है। एडीसीपी यातायात ने बताया कि नया सिस्टम लागू कर कुछ दिन फीड बैक लिया जाएगा। इसके बाद अगर किसी सुधार की जरूरत होगी तो वह भी किया जाएगा।

पुलिसकर्मियों को हाई स्पीड बाइक भी दी

यातायात पुलिस के 57 दारोगाओं को हाईस्पीड बाइक भी दी गई है, जिससे कि वे यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर सकें। ऐसे में जो लोग पुलिस को चकमा देकर भाग जाते थे, वे भी पकड़े जा सकेंगे।

अभी आजादी अधूरी है हमको यह स्वीकार नहीं... डॉ ओस्तवाल

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर विचार गोष्ठी आयोजित

अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा के नेतृत्व मे आज देश के विभाजन की दुखदाई याद में भाजपा जिला संगठन द्वारा विभाजन विभीषिका दिवस पर भाजपा जिला कार्यालय पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई प्रसिद्ध लेखक एवं चिंतक एवं संगोष्ठी के मुख्य वक्ता डॉ राजेंद्र प्रसाद ओस्तवाल ने कहा कि अभी आजादी अधूरी है हमको यह स्वीकार नहीं उन्होंने जिक्र करते हुए आजादी कि कई अस्मरणीय घटनाओं का जिक्र किया कार्यक्रम में भीलवाड़ा सांसद सुभाष बहेडीया, पूर्व मंत्री कालू लाल गुर्जर, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा, नगर परिषद सभापति राकेश पाठक, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भगवान सिंह चौहान, पूर्व जिलाध्यक्ष लादू लाल तेली, पूर्व आसींद विधायक रामलाल गुर्जर, विभाजन विभीषिका शरणार्थी शंकर लाल मैठानी ,कार्यक्रम संयोजक कैलाश जीनगर ,सूरज पेंटर मंचासीन थे।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती एवं महापुरुषों के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष मेवाड़ा ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि भारत का विभाजन तथाकथित कांग्रेस नेताओं एवं नेहरू, जिन्ना की सोची समझी चाल थी जिससे 1947 में विभाजन विभीषिका झेलनी पड़ी जिसमें लगभग 10लाख से अधिक लोगों की जान गई संगोष्ठी में विभाजन विभीषिका की एलईडी पर डॉक्यूमेंट्री फिल्म एवं चित्र प्रदर्शनी लगाई गई

भारत में विभाजन विभीषिका का नरसंहार विश्व का सबसे बड़ा हत्याकांड जिसमें 10 लाख से ज्यादा लोगों के प्राण गए एवं हिंदुस्तान के टुकड़े हो गए हैं इस पर आधारित देश के विभाजन के समय हुए भीषण नरसंहार दुखद परिणाम को प्रदर्शित करने वाली फिल्म एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म एवं चित्र प्रदर्शनी का भी आयोजन रखा है इसके साथ ही एक आकर्षक रंगोली भी सजाई गई जिसे अतिथियों ने निरीक्षण किया आलेख पत्र का विमोचन किया एवं काली पट्टी बांध मोन जुलूस निकाला

विभाजन विभिषीका समारोह में एक आलेख पत्र जिसमें भारत विभाजन की त्रासदी पर विस्तृत जानकारी है जिसका विधिवत अतिथियों ने विमोचन भी किया इसी के साथ-साथ साय 6 बजे सूचना केंद्र चौराहे से बालाजी मार्केट, गोल प्याऊ चौराहा होते हुए रेलवे स्टेशन अंबेडकर चौराहे पर मौन जुलूस का समापन मोन जुलूस में भाजपाई हाथ पर काली पट्टी बांधकर तिरंगा झंडा लेकर चल रहे थे समापन पर सभी नागरिकों, व्यापारियों व आने जाने वालों को विमोचित हुए आलेख पत्र वितरण किए गए जिसमें विभाजन विभीषीका त्रासदी को दर्शाया गया है कार्यक्रम का संचालन शिखा नवल जागेटीया ने किया एवं कार्यक्रम के सहसंयोजक डॉ उमाशंकर पारीक, भवानी शंकर दुधानी, धर्मवीर सिंह कानावत उपस्थित थे।

पिता -पुत्र की जोड़ी ने शांतिधूर्त की नाक में दम कर दिया है, 100 वां केश लड़ रहे है हमारे हिन्दू सनातन धर्म के आस्तित्व के लिए

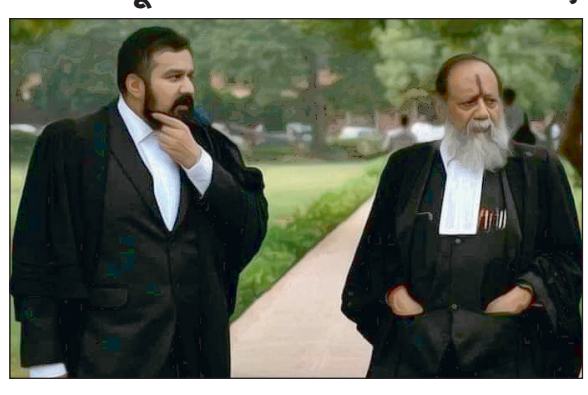

परिवहन विशेष न्यूज

यह वही जैन समाज है जो देश मे सिर्फ 0.37% है (जो कि आधे % से भी कम है) लेकिन कभी माइनॉरिटी (अल्पसंख्यक) कार्ड को हथियार नही बनाया ! आपको जान के आश्चर्य होगा ! देश मे दान का 62% सिर्फ जैन समाज दान करता है ! पूरे देश मे टेक्स के माध्यम से आने वाले राजस्व में 24% का योगदान सिर्फ 0.37% जनसख्या वाले जैन समाज का है ! मैं आपने समाज के दोनों वीरो को प्रणाम करता हूँ ! वरिष्ठ अधिवक्ता श्री हरिशंकर जैन जी और उनके पुत्र श्री विष्णु शंकर जैन जी की मेहनत का नतीजा है कि पहले राम मंदिर और अब ज्ञानवापी का सच सामने आ रहा है ! पिता-पुत्र की इस जोड़ी ने मथुरा के लिए भी याचिका डाली है जिसे मा.उच्चतम न्यायालय ने स्वीकार कर लिया है. ऐसे पिता पुत्र की जोड़ी को सनातन धर्म के रक्षा मे अहम योगदान के लिए पुनः बारम्बार प्रणाम

Ashok Leyland इलेक्ट्रिक मोबिलिटी कंपनी OHM India में खरीदेगी पूरी हिस्सेदारी, EV में होगी मजबूत एंट्री

Ashok Leyland ने यह भी घोषणा की है कि वह कंपनी को चालू करने के लिए OHM में इक्विटी के रूप में 300 करोड़ रुपये तक का निवेश करेगी

हिंदुजा ग्रुप के भारतीय प्रमुख अशोक लीलैंड (Ashok Leyland) ने सोमवार को ऐलान किया कि उसके बोर्ड ने 1 लाख रुपये के मामूली शुल्क पर ओएचएम इंटरनेशनल मोबिलिटी से ओएचएम ग्लोबल मोबिलिटी प्राइवेट (OHM Global Mobility Private – OHM) की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है यानी कंपनी OHM का पूर्ण स्वामित्व खरीद लेगी। Ashok Leyland ने यह भी घोषणा की है कि वह कंपनी को चालू करने के लिए OHM में इक्विटी के रूप में 300 करोड़ रुपये तक का निवेश करेगी। इसके अलावा, मौजूदा E-MaaS (electric mobility as a service) कॉन्ट्रैक्ट OHM में ट्रांसफर कर दिए जाएंगे, हालांकि यह रेगुलेटर की मंजूरी पर निर्भर करेगा।

अशोक लीलैंड के इस कदम के साथ, OHM कंपनी की 100 प्रतिशत सहायक कंपनी बन गई है। फ्यूचर ऑर्डर्स को सुरक्षित करने के लिए प्रस्तुत की जाने वाली कोई भी गारंटी या कम्फर्ट लेटर अशोक लीलैंड द्वारा प्रदान किया जाएगा और यह भी रेगुलेटर की मंजूरी के मुताबिक ही होगा।

कंपनी के कार्यकारी अध्यक्ष (CEO) धीरज जी हिंदुजा ने कहा, 'E-Maas का भारत में महत्व बढ़ रहा है, और हमें लगता है कि OHM India को चालू करने का यह सही समय है। E-Maas इलेक्ट्रिक वाहनों की पैठ बढ़ाने के लिए पब्लिक सेक्टर और प्राइवेट सेक्टर दोनों द्वारा अपनाई जाने वाली एक रणनीति होगी। सरकार ई-मास के तहत पेमेंट सिस्टम को मजबूत करने पर विचार कर रही है और सरकार EV अपनाने को बढ़ाने के लिए कई पहल कर रही है। इसे देखते हुए, OHM को महत्वपूर्ण महत्व मिलेगा और हम इसकी संभावनाओं पर बहुत सकारात्मक हैं।'

'E-MaaS भारतीय कमर्शियल EV सेक्टर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। आज EV बस बाजार (EV Bus market) का एक महत्वपूर्ण हिस्सा – विशेष रूप से राज्य परिवहन उपक्रम ऑर्डर (State Transport Undertaking Orders) – E-MaaS मैकेनिज्म के तहत रूट किया जाता है और हमें इसके लिए एक अलग कंपनी की आवश्यकता है। स्विच इंडिया (Switch India) ई-मास कॉन्ट्रैक्ट्स के तहत OHM को तैनात करने के लिए ईवी बसों और हल्के वाणिज्यिक वाहनों (Light Commercial Vehicles) की सप्लाई करेगा। अशोक लीलैंड के प्रबंध निदेशक (MD) और मुख्य कार्यकारी (CEO) अधिकारी शेनू अग्रवाल ने कहा, OHM अशोक लीलैंड के ईवी पोर्टफोलियो में एक महत्वपूर्ण कंपनी बन जाएगी।

ईवी की मदद से हर रोज 10.27 लाख लीटर ईंधन की बचत, फेम - 3 स्कीम लाने की तैयारी में सरकार

बीते चार वर्ष में अब तक 39 .82 करोड़ लीटर ईंधन की बचत हुई कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आ रही है। अब तक 872920 इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री हुई है। फेम-2 स्कीम के तहत सब्सिडी स्कीम में अब तक 713836 इलेक्ट्रिक दोपहिया की बिक्री हो चुकी है। अनुमान के अनुसार बता दें कि इस वित वर्ष के खत्म होने पर सब्सिडी स्कीम खत्म कर दी जाएगी। जो दिल्ली सरकार अपने द्वारा घोषित सब्सिडी स्कीम पहले से ही खत्म कर चुकी है ।

ओला ने जारी किया नए ईवी का टीज़र, 15 अगस्त को होगा अनवील

ओला के संस्थापक भाविश अग्रवाल ने खुलासा किया है कि एक इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल को अनवील करने वाली है। पिछले समय से ऐसी चर्चा थी कि ओला इलेक्ट्रिक बाइक को लॉन्च करेगी, जिसकी पुष्टि अभी की जानी बाकी है कि ये बाइक होगी या स्कूटर।

ओला के संस्थापक भाविश अग्रवाल ने खुलासा किया है कि एक इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल को अनवील करने वाली है। पिछले समय से ऐसी चर्चा थी कि ओला इलेक्ट्रिक बाइक को लॉन्च करेगी, जिसकी पुष्टि अभी की जानी बाकी है कि ये बाइक होगी या स्कूटर।

कंपनी द्वारा साझा की गई तस्वीर के आधार पर, यह एक तेज और ऊंची सीट के साथ एक स्पोर्टी प्रोफ़ाइल लगती है जो लगभग 'ईंधन टैंक' क्षेत्र के समान ऊंचाई पर है। संभावना यह है कि ओला इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल एक कॉन्सेप्ट फॉर्म में सामने आएगी।

ईवी सेक्टर में स्टॉर्टअप्स कंपनियों का कितना योगदान? कैसे खत्म हो रही विदेशों पर निर्भरता

कुछ महीने पहले जम्मू-कश्मीर में मिले 5.9 मिलियन टन के उच्च श्रेणी के लिथियम ने इस आशाजनक परिदृश्य को और बढ़ा दिया है। चूंकि लिथियम इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) को बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कंपोनेंट है भारत अब अपने शून्य-उत्सर्जन गतिशीलता उद्देश्यों को प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति करने की प्रमुख स्थिति में है।

भारतीय बाजार में इस समय इलेक्ट्रिक व्हीकल पर लोगों का भरोसा तेजी से बढ़ रहा है। कुछ साल पहले इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बिक्री न के बराबर थी। लेकिन अब एक से बढ़कर एक इलेक्ट्रिक स्कूटर, इलेक्ट्रिक कार, इलेक्ट्रिक कॉमर्शियल व्हील भारतीय सड़कों पर आप देख सकते है। वर्तमान में ईवी सेक्टर भारतीय अर्थव्यवस्था में भी अपना रोल प्ले कर रहा है और मेड इन इंडिया के तहत गाड़ियों का प्रोडक्शन भी कर रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि इस सेक्टर में ईवी स्टॉर्टअप कंपनियों का कितना योगदान हैं। इसका जवाब आज हम नहीं बल्कि एक्सपर्ट्स देंगे।

भारत जापान से आगे

बेन एंड कंपनी के अनुसार, भारत की ईवी इंडस्ट्री की पूर्ण आपूर्ति श्रृंखला में 2030 तक कुल राजस्व 76 अरब डॉलर से 100 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इसके अलावा, भारत अब चीन और अमेरिका के बाद दुनिया के तीसरे सबसे बड़े व्हीकल मार्केट की पॉजिशन हासिल करने के लिए जापान से आगे निकल चुका है।

कैसे भारतीय EV स्टार्टअप कंपनियां विदेश पर निर्भरता खत्म कर रही हैं?

सुशांत कुमार, फाउंडर एंड मैनेजिंग डायरेक्टर, ए एम ओ मोबिलिटी के अनुसार, आत्मनिर्भर भारत मिशन में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) स्टार्टअप का उदय देशी मॉर्डनाइजेशन और आत्मनिर्भरता का प्रमाण है। ये सेक्टर सिर्फ इलेक्ट्रिक ऑटोमोबाइल का निर्माण नहीं कर रहे हैं, बल्कि वे एक ऐसे भविष्य के लिए रास्ता निकाल रहे हैं, जो आर्थिक मुद्दों पर तो सपोर्ट करेंगी ही साथ ही साथ पर्यावरण-अनुकूल मैनेजमेंट के साथ तालमेल बिठाने का काम करेंगी।

आत्मनिर्भर भारत में ईवी स्टार्टअप कंपनियों का वर्तमान में कितना हाथ?

ईवी स्टार्टअप के लिए प्रोडक्टिव माहौल को बढ़ावा देकर, भारत विदेशी देशों पर निर्भरता कम करने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। इस उपक्रम की प्रेरणा वाहनों से परे है। इसमें एक आत्मनिर्भर इकोसिस्टम बनाने का प्रयास शामिल है। ये स्टार्टअप रिसर्च और डेवलपमेंट को बढ़ावा दे रहे हैं, लोकल टैलेंट को प्रमोट कर रहे हैं और सप्लाई चेन को बेहतर बना रहे हैं।

जैसे-जैसे स्टार्टअप विकसित होते हैं, वे तकनीकी विशेषज्ञता की एक मजबूत कहानी गढ़ते हैं। इलेक्ट्रिक वाहन बेहतर बैटरी से लेकर स्मार्ट चार्जिंग सिस्टम तक विविध इनोवेशन के लिए एक बेहतरीन क्षेत्र के रूप में उभरे हैं। प्रत्येक इनोवेशन आत्मनिर्भरता की एक बड़ी तस्वीर में योगदान देता है, जो आगे का रास्ता दिखाता है। दृढ़ प्रतिबद्धता से प्रेरित, ये एंटरप्रेन्योर चुनौतियों को दुनिया भर में यूनिक इम्पैक्ट डालने के अवसर के रूप में देखते हैं।

EV सेक्टर भारत के इकोनॉमी को कैसे कर रहा सपोर्ट?

इस पर न्यूरॉन एनर्जी सीईओ और को-फाउंडर प्रतीक कामदार का कहना है कि अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में ईवी स्टार्टअप की भूमिका को कम करके आंका नहीं जा सकता है। हम न केवल अपने कार्बन फूटप्रिंट्स को कम कर रहे हैं और स्वच्छ वातावरण में योगदान दे रहे हैं, बल्कि हम क्षेत्र में इन्वेस्टमेंट, रिसर्च और टेक्नोलॉजिकल एडवांसमेंट भी कर रहे हैं। यह, बदले में, घरेलू और विदेशी दोनों निवेशों को आकर्षित करता है, इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप की संस्कृति को बढ़ावा देता है जो आत्मनिर्भर भारत के बड़े विजन के साथ मेल खाता और रेजोनेंस करता है।

EV सेक्टर की ग्रोथ से कितना फायदा?

इसके अलावा, ये स्टार्टअप केवल फ्यूचरस्टिक इलेक्ट्रिक वाहन बनाने पर फोकस्ड नहीं हैं; वे महत्वपूर्ण ईवी कम्पोनेंट के लिए एक मजबूत डोमेस्टिक सप्लाई चेन भी बना रहे हैं। देश के भीतर सामग्रियों की खरीद, पार्ट्स का उत्पादन और वाहनों को असेंबल करके, हम आयात पर अपनी निर्भरता को काफी हद तक कम कर रहे हैं। यह न केवल हमारी नेशनल सिक्योरिटी को मजबूत करता है बल्कि लोकल इंडस्ट्री को भी सशक्त बनाता है, रोजगार के अवसर पैदा करता है और आर्थिक विस्तार को भी बढ़ावा देता है।

ईवी सेक्टर को वित्तीय सहायता

एएमयू लीजिंग और ईएमएफएआई (EMFAI) के निदेशक डायरेक्टर नेहल गुप्ता का कहना है कि इलेक्ट्रिक वाहन-मुख्य गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (ईवी एनबीएफसी) के साथ सहयोग से ईवी स्टार्टअप की महत्वपूर्ण भूमिका को बढ़वा मिलता है, जो आत्मनिर्भर भारत मिशन को मजबूती प्रदान करने में महत्वपूर्ण है। वित्तीय सहायता से नई नवाचार, नए मॉडल के लॉन्च की गति बढ़ती है और पूरे मूल्य श्रृंखला को मजबूती मिलती है।

तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की डगर

डा. जयंतीलाल भंडारी

निश्चित रूप से इस समय दुनिया की पांचवीं अर्थव्यवस्था के रूप में रेखांकित हो रहे भारत को 2027 तक दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की संभावनाओं को साकार करने के लिए कई बातों पर ध्यान देना होगा। टिकाऊ आर्थिक वृद्धि एवं निवेश साख को और मजबूत बनाना होगा। नई लॉजिस्टिक नीति, गति शक्ति योजना के कारगर अमल पर अधिक ध्यान देना होगा'

हाल ही में 3 अगस्त को दुनिया के दो दिग्गज आर्थिक शोध व बाजार पर नजर रखने वाले दो वैश्विक वित्तीय संगठनों ब्रोकरेज फर्म मोर्गन स्टेनली और एसऐंडपी ग्लोबल के द्वारा वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रकाशित रिपोर्टों में कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में लंबी तेजी का दौर शुरू हो गया है। दुनिया के दूसरे देशों की तुलना में तेजी से आगे बढ़ते हुए भारत आर्थिक सुपरपावर बनने की डगर पर अग्रसर हैं। कोई एक वर्ष पहले दुनिया के प्रमुख आर्थिक और वित्तीय संगठनों की रिपोर्टों में कहा जा रहा था कि दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा रखने वाला भारत वर्ष 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में दिखाई देगा, लेकिन इन दिनों प्रकाशित हो रही रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि भारत 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में दिखाई दे सकता है। हाल ही में प्रकाशित अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), अमेरिकी इन्वेस्टमेंट बैंक मॉर्गन स्टेनली जैसे कई वैश्विक संगठनों की रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि भारत 2027 तक जापान और जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरकर सामने आएगा।

इतना ही नहीं, 30 जुलाई को विश्व प्रसिद्ध स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि फिलहाल भारत में जो प्रति व्यक्ति आय 2450 डॉलर है, वह वर्ष 2030 तक 70 फीसदी बढ़कर 4000 डॉलर प्रति व्यक्ति हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि 27 जुलाई को जारी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की शोध इकाई इकोरैप की रिपोर्ट में भी कहा गया है कि भारत वर्ष 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ अग्रसर है। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल से जून की पहली तिमाही में भारत की आर्थिक विकास दर 8 फीसदी से ज्यादा रहने वाली है। इससे चालू वित्त वर्ष के दौरान सालाना विकास दर के 6.5 फीसदी रहने की संभावना बन गई है। रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2027 तक अमेरिकी इकोनॉमी का आकार 31.09 ट्रिलियन डॉलर का होगा और यह पहले स्थान पर होगी। दूसरे स्थान पर चीन 25.72 ट्रिलियन डॉलर के साथ होगा। तीसरे स्थान पर भारत 5.15 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के रूप में दिखाई देगा।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 26 जुलाई को राष्ट्रीय राजधानी के प्रगति मैदान में दोबारा बनाए गए अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केंद्र परिसर (आईईसीसी) 'भारत मंडपम' राष्ट्र को समर्पित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि निश्चित रूप से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के तीसरे कार्यकाल में वृद्धि की रफ्तार और तेज होगी और भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। प्रधानमंत्री की 'गारंटी' इसलिए भी निश्चित दिखाई दे रही है क्योंकि जापान की अर्थव्यवस्था स्थिर हो चुकी है और जर्मनी की अर्थव्यवस्था धीमी गति से बढ़ रही है।

यहां यह भी महत्वपूर्ण है कि संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (यूएनईएससीएपी) की डिजिटल एवं टिकाऊ व्यापार सुविधा संबंधी रिपोर्ट-2023, इनवेस्को ग्लोबल की सोवरेन वेल्थ फंड निवेश रिपोर्ट-2023, निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स की 'भारत की आर्थिक संभावना रिपोर्ट 2023' को भारत की बढ़ती हुई आर्थिक, वित्तीय और निवेश अहमियत को रेखांकित करते हुए दिखाई दे रही हैं। संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग की डिजिटल एवं टिकाऊ व्यापार सुविधा संबंधी रिपोर्ट में भारत 140 देशों को पीछे छोड़ते हुए दुनिया में सबसे आगे पहुंच गया है। इनवेस्को ग्लोबल की रिपोर्ट के मुताबिक सोवरेन वेल्थ फंड के निवेश को लेकर दुनिया के 142 मुख्य निवेश अधिकारियों ने भारत को पहली पसंद बताया है। इनवेस्को के अध्ययन के मुताबिक भारत की कारोबारी व राजनीति स्थिरता में लगातार बढ़ोतरी हो रही है जो उसका मजबूत पक्ष है। राजकोषीय घाटा कम हो रहा है और राजस्व संग्रह में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इसके अलावा भारत की आबादी, नियामक पहल और सोवरेन निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल से भी भारत को निवेश की पहली पसंद बनने में मदद मिली है।

विकासशील देशों में निवेश के लिए अब चीन नहीं, बल्कि भारत निवेशकों की पहली पसंद बन गया है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि देश की अर्थव्यवस्था के तेजी से आगे बढ़ाने में बुनियादी ढांचे के निर्माण में आई क्रांति अहम भूमिका निभा रही है। पिछले 9 साल में आधुनिक बुनियादी ढांचे के निर्माण पर 34 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। उद्योग-कारोबार को आसान बनाने के लिए 1500 पुराने कानूनों और 40 हजार अनावश्यक अनुपालन को समाप्त किए जाने की अहम भूमिका है। इस समय भारत को एक वैश्विक डिजाइन और विनिर्माण केंद्र में बदलने के लिए मेक इन इंडिया 2.0, मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों के लिए तकनीकी समाधान को बढ़ावा देने के लिए उद्योग 4.0, स्टार्टअप संस्कृति को उत्प्रेरित करने के लिए स्टार्टअप इंडिया, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी अवसंरचना परियोजना के लिए पीएम गति शक्ति और उद्योगों को डिजिटल तकनीकी शक्ति प्रदान करने के लिए डिजिटल इंडिया जैसी सफल पहल भारत चतुर्थ औद्योगिक क्रांति की दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारत कारोबार सुगमता के लिए रणनीतिक रूप से और तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस परिप्रेक्ष्य में लोकसभा ने जिस जन विश्वास (प्रावधान संशोधन) विधेयक 2023 को मंजूरी दी है, वह उद्योग-कारोबार बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगा। कई और प्रभावी कारण भारत के टिकाऊ विकास और कारोबार को गतिशील कर रहे हैं। 60 फीसदी तक वृद्धि घरेलू खपत और निवेश के कारण होती है। भारतीय बाजार बढ़ती डिमांड वाला बाजार है। भारत का शेयर बाजार दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा शेयर बाजार है। देश में बढ़ते हुए मध्यम वर्ग की चमकीली क्रयशक्ति और देश के मजबूत राजनीतिक नेतृत्व के कारण भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है।

निश्चित रूप से इस समय दुनिया की पांचवीं अर्थव्यवस्था के रूप में रेखांकित हो रहे भारत को 2027 तक दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की संभावनाओं को साकार करने के लिए कई बातों पर ध्यान देना होगा। टिकाऊ आर्थिक वृद्धि एवं निवेश साख को और मजबूत बनाना होगा। नई लॉजिस्टिक नीति, गति शक्ति योजना के कारगर कार्यान्वयन पर अधिक ध्यान देना होगा। विभिन्न आर्थिक और वित्तीय सुधारों की डगर पर रणनीतिक रूप से आगे बढना होगा। महिलाओं की श्रमबल भागीदारी भी बढ़ानी होगी। अभी सीमित संख्या में ही भारत नई डिजिटल की कौशल प्रशिक्षित प्रतिभाएं डिजिटल कारोबार की जरूरतों को पूरा कर पा रही हैं। अब दुनिया की सबसे अधिक युवा आबादी वाले भारत को बड़ी संख्या में युवाओं को डिजिटल कारोबार के दौर की और नई तकनीकी योग्यताओं के साथ एआई, क्लाउड कम्प्यूटिंग, मशीन लर्निंग एवं अन्य नए डिजिटल स्किल्स से सुसज्जित किया जाना होगा। अब भारत के द्वारा विभिन्न देशों के साथ एफटीए के लिए वार्ताएं तेजी से पूरी करनी होंगी। रुपए को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा के रूप में स्थापित करने के लिए अधिक प्रयास करने होंगे। हमें इस बात पर भी ध्यान देना होगा कि जीडीपी के मामले में भारत वर्ष 2027 में दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य के साथ-साथ प्रति व्यक्ति आय के मामले में भी ऊंचाई प्राप्त करे। ऐसे में देश की अर्थव्यवस्था के साथ-साथ आम आदमी की मुठ्ठियों में भी अधिक विकास की खुशियां पहुंचते हुए दिखाई दे सकेंगी।

संपादक की कलम से

राज्य कैडर की नई डोर

विभागों के बदलते तेवर में कैडर की भूमिका अहम है और जब इन्हें स्थानीय रिश्तों के फलक पर प्राथमिकता मिले, तो दफ्तर के नैन-नक्श, एक तरह के स्थानीयवाद का अवतार बन जाते हैं। ऐसे में सुक्खू सरकार की व्यवस्था परिवर्तन की पैरवी में कुछ जिला कैडर के मुकाम को राज्य स्तरीय घोषित करने की परिकल्पना का स्वागत होना चाहिए। सरकारी कार्य संस्कृति बाहों में बाहें डालकर मित्रता तो कर सकती है, लेकिन प्रशासनिक जरूरतों की हिफाजत में कड़े निर्देश अमल में नहीं ला सकती। कुछ समय पहले शहरी विकास विभाग की दृष्टि में इसी भेद को मिटाते हुए राज्य कैडर की डोर बांधी गई, तो अब दो नई फाइलें इसी तरह के मकसद को लेकर कार्मिक, वित्त और विधि मंत्रनाओं से रू-ब-रू हैं। पंचायती राज तथा राजस्व विभाग के विभिन्न ओहदे और उनसे जुड़ी ओहदेदारी अब राज्य स्तारीय दृष्टिकोण में कर्मचारियों की नियुक्ति और स्थानांतरण की पद्धति को व्यापक बनाने की परिकल्पना को साकार कर सकती है। सुक्खू सरकार इस तरह के फैसलों से खुद के लिए कठिन परीक्षा के साथ सामाजिक चेतना पर भी असरदार हस्तक्षेप कर रही है। जिला से स्टेट कैडर होने की वजह निश्चित रूप से प्रशासनिक सुधारों की नई खेती है, तो इसके मुकम्मल होने के यथार्थ में स्थानांतरण नीति का सशक्तिकरण भी होगा। यह एक साथ सामाजिक व राजनीतिक दृष्टि को व्यापक बनाने की वचनबद्धता है, जिससे अमूमन सरकारें बचती रहीं या जिन्होंने कैडर के कालीन पर कर्मचारियों को सियासी परिक्रमा बना दिया, उन्होंने जिला कैडर के प्रपंच में नुकसान पहुंचाया है। जिस दिन हिमाचल की राजनीति खुद को कर्मचारी मसलों की न्यायाधीश बनने की प्रथा छोड़ देगी, कई तरह के प्रशासनिक सुधार मिनटों में हो जाएंगे।

प्रदेश को आगे ले जाने के लिए विभागीय अड़चनों और कार्यसंस्कृति की सिलवटों को दूर करना होगा और इसके लिए कैडर विसंगतियों का समाधान ही नहीं, बल्कि समानता का प्रारूप भी चाहिए। यह वेतन-भत्तों से कैडर और कैडर से स्थानांतरण तक की व्यवस्था में ऐसे बदलाव चाहता है जो दीर्घकालीन सुधार करें। स्थानीय या जिला कैडर में घूमती व्यवस्था ने दरअसल राजनीति को ही घुमाया है, नतीजतन कर्मचारी संगठनों के हर पड़ाव में मूल भावना केवल सियासत को ही पोषित करती है। जिस दिन यह भेद मिट जाएगा या सरकारी नौकरी के मायने क्षेत्रवाद से ऊपर उठ जाएंगे, एक कुशल स्थानांतरण नीति का उदय होगा और होना भी यही चाहिए। स्थानांतरण अब तक सियासी व कर्मचारी कौशल की मिलीभगत में एक ऐसी परिपाटी बन चुका है, जहां समाज के स्वार्थ भी जुड़ जाते हैं। हम राज्य की कुशलता में अगर ऐसी परंपराओं के कौशल को अहमियत देते रहेंगे, पंचायती उत्थान से राजस्व की मचान तक शिकार होते रहेंगे। यह दीगर है कि राज्य कैडर में सुविधाओं की नई संस्कृति और प्रोत्साहन के पैगाम स्पष्ट होने चाहिएं। यानी सरकारी आवासीय व्यवस्था पंचायत सचिव, पटवारी, स्कूल के प्राइमरी टीचर से पशु औषधालय के सहायक तक होनी चाहिए और यह भी कि घर से दफ्तर की दूरी के हिसाब से वित्तीय लाभ भी वर्णित करने होंगे। सुशासन के लिए व्यवस्था परिवर्तन की सबसे बड़ी ईमानदारी निर्दयी ट्रांसफर आर्डर नहीं हो सकती, बल्कि एक ऐसी नीति चाहिए जो कर्मचारी-अधिकारी को इसलिए अस्थिर न करे कि स्थानीय सियासी चरित्र को इनके ईमानदार इरादे, संकल्प और सक्रियता पसंद नहीं। बहरहाल स्टेट कैडर अगर एक मुहिम की तरह सभी विभागों की ताजपोशी करे, तो सरकारी सेवाओं का अंदाज व इनकी प्रतिष्ठा का मूल्यांकन काफी हद तक गैर राजनीतिक हो जाएगा।

राय

शव संवाद-5

कवि और कहानीकार के शव ढोने के बाद भी बुद्धिजीवी के मन में यह विचार तंग कर रहा था कि साहित्य इतना रूखा सा क्यों रहता है। उसने तय किया कि इस बार वह ऐसा शव ढूंढेगा जो साहित्य का नायाब चेहरा होगा। उसने हंसते हुए लोग नहीं देखे थे, फिर भी आशा कर रहा था कि शायद कहीं कोई हंसते हंसते मरा हो या हंसने की वजह से शव बना हो। उसे अचानक कुछ लोग हंसते हुए मिल गए। वे दरअसल वहां व्यंग्यकारों के शव देख कर ही हंस रहे थे। कुछ दिन पहले तक ये तमाम व्यंग्यकार तीखी-तल्ख टिप्पणियां करते इन्हीं लोगों की बोलती बंद करते रहे थे, लेकिन व्यवस्था में आई बाढ़ ने इन्हें डुबो-डुबो कर मुर्दा बना दिया था। फिर भी यहां मुर्दे मुस्करा रहे थे, लेकिन देश का व्यंग्य यह तय नहीं कर पा रहा था कि किसे शव माना जाए, किसे छोड़ दिया जाए। पहली बार व्यंग्य ने मुर्दों को भी जीना सिखा दिया था। अब तक अंतिम बुद्धिजीवी ने स्वीकार कर लिया था कि एक न एक दिन कविता ही कवि को शव बना देने की महारत हासिल कर लेगी। इसी तरह मरने की कहानियों ने कई कहानीकार पैदा होने से पहले ही मुर्दा घोषित कर दिए। उसने शवों को सुनना शुरू किया था और इतना यकीन उसे हो गया था कि जहां मुर्दे भी बोलने लगें, वहां जरूर कोई तो व्यंग्यकार पैदा हुआ होगा। कितनी विचित्र परिस्थिति है कि व्यंग्यकार केवल उस समाज में पैदा होता है जहां अधिकांश लोग मुर्दा होते हैं। खैर उसने लोगों की भीड़ हटाकर एक मुस्कराते हुए मुर्दे को व्यंग्यकार के रूप में स्वीकार कर लिया। बुद्धिजीवी ने जैसे ही व्यंग्यकार का शव कंधे पर रखा, वह खुजली करने लग पड़ा। पहली बार शव बिना नहाए खुद को खुजला कर राहत महसूस कर रहा था। उसके खुजलाने से बुद्धिजीवी ने पहली बार जाना कि खुद को खुजलाने के कितने फायदे हो सकते हैं। अगर ढंग से कोई खुद को खुजला सके तो वह व्यंग्यकार भी बन सकता है। बुद्धिजीवी को व्यंग्यकार की लाश रास आ गई, क्योंकि व्यंग्यकार की खुजली उसे भी लुभाने लगी थी। उसने शव से पूछा, 'क्या व्यंग्यकार खुजलाने के अलावा भी कुछ और जानता है।' व्यंग्यकार का शव इस प्रश्न से आहत दिखा, लेकिन कहने लगा, 'खुजलाना सबसे कठिन कार्य है। ये देखो व्यंग्यकार ने खुजलाने से अपनी अंगुलियों और शरीर को किस हद तक जख्मी किया है। अपनी खुजली से खुद को अगर कोई घायल कर सके तो वही व्यंग्यकार हो सकता है, वरना देश के पास घायल होने और करने के कई तरीके और अवसर हैं।' यकायक बुद्धिजीवी को लगा कि व्यंग्यकार का शव उसके ऊपर भारी पडने लगा है। बुद्धिजीवी यूं तो जीवन की हर मुसीबत को ढोने में पारंगत था, लेकिन व्यंग्यकार का शव ढोना कठिन हो रहा था। व्यंग्यों से आहत रहे बुद्धिजीवी ने अंततः व्यंग्यकार के शव से पूछ ही लिया कि वर्तमान दौर में जब देश के कायदे-कानून तक पढ़े बिना फैसले हो जाते हैं, तो उसके लेखन का क्या औचित्य रहा होगा। शव भावुक होकर कहने लगा, 'व्यंग्य यूं तो आसानी से पढ़ा या सुना जा सकता है, लेकिन इसे उठाकर चलना मुश्किल है। इसे न तो साहित्य, न समाज और न ही देश उठा पा रहा है।' शमशानघाट पहुंचते-पहुंचते व्यंग्यकार के शव ने बुद्धिजीवी के कंधे बुरी तरह घायल कर दिए। उसने व्यंग्यकार के शव को लगभग पटकते हुए जमीन पर रखा, तो बुद्धिजीवी की हालत देख रहे प्रत्यक्षदर्शियों की चीख निकल गई। पहली बार आम लोगों की समझ में आया कि देश में व्यंग्य और व्यंग्यकार कितना घातक हो सकता है। भीड़ में से कोई चीखा, 'शमशानघाट में व्यंग्यकार की लाश जलाने की अनुमति नहीं है।' इतने में शमशानघाट की प्रबंधन समिति ने बुद्धिजीवी को पकड़ा और उसके घायल कंधे पर पुनः व्यंग्यकार का शव चढ़ा दिया। बुद्धिजीवी को इसलिए सजा मिल चुकी थी क्योंकि एक वही था जिसने इस व्यंग्यकार को पहचान दिलाई थी और हर व्यंग्य को गंभीरता से लिया था।

आजादी को आजादी ही रहने दो

कोई सिर्फ चंद रुपयों के लिए किसी अपने की हत्या कर देता है तो कोई अपनी ही बहू-बेटियों को बेच देता है। लेकिन एक अन्य पहलू यह भी है कि आजादी मिलने के नाम पर कुछ लोग अपनी जिंदगी का ऐसा नंगा नाच दिखाते हैं जिसके कारण सभी को एक ही लाइन में खड़ा कर दिया जाता है। खुलेमने को आजादी का नाम देकर बेखौफ अपनी जिंदगी जीना चाहते हैं। विशेषकर आज की कुछ युवा पीढ़ी अपने देश के पारिवारिक मूल्यों को भूलकर उस आजादी के पीछे भाग रही है जिसे पकडक़र शायद वे खुद तो बरबाद होंगे ही और उन युवाओं के लिए भी रोड़े खड़ा करेंगे जिन्होंने अभी-अभी उडना ही सीखा है। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि आजादी को सिर्फ आजादी ही रहने दो क्योंकि अंग्रेजों की अधीनता में 200 साल रही यह आजादी, आज स्वच्छंद सोच व उज्ज्वल भारत की वो सोच है जिसमें सभी के लिए आजादी दिलाना अभी बाकी है'

इस वर्ष हम आजादी की 76वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। यह वर्ष बुलंद हौंसलों की वो आवाज है जो अंग्रेजी सल्तनत के समय कुचले जाने के कारण भी न दबी, न मरी बल्कि कई जुल्मों को चीरते हुए आज हम तक स्वच्छंद हवा के रूप में हमारी रगों में बह रही है। लेकिन यह हवा आज लगातार जहरीली होती जा रही है। शायद इस हवा में सांस लेने वाले लोग उन लाखों बलिदानियों की शहादत को भूल गए हैं जिन्होंने हमारी आजादी के लिए अपना शरीर, अपना परिवार, अपना बचपन, अपनी जवानी और अपनी रुह तक को न्योछावर कर दिया। आखिर क्यों भूल गए हम कि उन बलिदानियों का कर्ज उतारने की जगह हम वर्तमान में ऐसे गूढ़ा कर्ज लेते जा रहे हैं जिसके लिए हमारा भविष्य हमें कभी माफ नहीं करेगा।

इस गूंगे समाज में हमारे देश की आजादी के लिए सूनी कोख वाली माताओं के लिए शब्द तो अभी भी छन-छन कर ही आते हैं। तभी मणिपुर में निर्वस्त्र उन महिलाओं की कराहना के लिए भी हमारे समाज के कान बहरे हो गए। हालांकि मणिपुर तो एक बहाना है, रोज सडक़, चौराहे, यहां तक कि घर की चार दिवारी में लाखों बेटियों की परतंत्रता का भद्दा मजाक बनाया जाता है और यह मजाक आजादी के नाम पर बड़े-बड़े समारोह की शान बनता हुआ अक्सर देखा जाता है। लेकिन हम शांत हैं क्योंकि हमारी खामोशी, हमारी आजादी को मनाने के लिए बहुत जरूरी है। यह मसला किसी वर्ग विशेष तक सीमित नहीं। घर से निकलते ही सडक़ पर हजारों गाडियां इस तरह आजादी मना रही होती हैं कि पैदल चलने वाले और पब्लिक ट्रांसपोर्ट में सफर करने वाले स्वयं उनसे अपनी आजादी की भीख मांग रहे होते हैं। वहीं सडक़ के दोनों तरफ अपनी खुशी को ढूंढने निकले फल, सब्जी व चाय का ठेला लगाने वाले विक्रेता, स्वयं बड़े-बड़े मॉल से प्रतियोगिता करने के लिए आतुर से दिखते हैं।

क्योंकि अगर कोई मॉल से निकल कर उन ठेलों से खरीददारी कर लेता है तो वे स्वयं आजादी को अनुभव करने लग जाते हैं। उनकी वही खुशी उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य और रोटी-कपड़ा-मकान जैसी जरूरतों के लिए मार्ग दिखाती है।

इन्हीं लोगों का कोई होनहार बच्चा स्कूल या कॉलेज तक पहुंच भी जाता है तो दिखावटी स्टेटस के चलते स्वयं को उन लोगों के बीच परतंत्र सा महसूस करने लगता है। यही बच्चे जब अपने अध्यापकों से सहमे से और अकेले में पढने के लिए पुस्तकों का खर्च पूछते हैं तो उनकी आजादी के मायने सिस्टम के सामने फेल से नजर आते हैं क्योंकि शायद स्कूली दरवाजा सरकारी खर्च पर खुला भी मिल जाए लेकिन आगे की पढ़ाई का खर्च स्वयं ही उठाना पड़ता है । वहीं खुदा न करें उनके परिवार का कोई सदस्य बीमार पड़ जाए तो पुस्तकों के लिए जमा की गई पूंजी अस्पतालों में ईलाज पर खर्च हो जाती है। वहां पर भी शायद सरकारी अस्पताल के नाम पर एक बिस्तर मिल भी जाए लेकिन दवाईयों का भारी खर्च स्वयं ही सहन करना पड़ता है। उस समय उनकी मजबूरी कहती है कि हमें मंजूर है उनकी परतंत्रता जो हमें समय पर हमारी जरूरतों को पूरा करने के लिए धन उपलब्ध करवा दे। अगर उस समय परतंत्रता की बेडियां पहनाने के लिए भी कोई शख्स नहीं मिलता है तो धन देने वाले साहूकार उस समय तो देवदूत बन जाते हैं, लेकिन समय पर धन ब्याज सहित न चुकाने के कारण यमदूत भी बन जाते हैं। उस समय यह समझ नहीं आता कि आजाद मुल्क में लंबी-लंबी सांस लें या एक ही झटके में स्वयं को खत्म कर लें और न जाने इस परिस्थितियों में कितने ही हजारों-लाखों लोगों की आत्माएं अमर भी हो गई होंगी।

यह सूची इतनी लंबी है कि आजादी के 76 वर्ष बीत जाने के कारण भी खत्म ही नहीं हो रही। कोई सिर्फ चंद रुपयों के लिए किसी अपने की हत्या कर देता है तो कोई अपनी ही बहू-बेटियों को बेच देता है। लेकिन एक अन्य पहलू यह भी है कि आजादी मिलने के नाम पर कुछ अपनी जिंदगी का ऐसा नंगा नाच दिखाते हैं जिसके कारण सभी को एक ही लाइन में खड़ा कर दिया जाता है। खुलेमने को आज़ादी का नाम देकर बेखौफ अपनी जिंदगी जीना चाहते हैं। विशेषकर आज की कुछ युवापीढ़ी अपने देश के पारिवारिक मूल्यों को भूलकर उस आज़ादी के पीछे भाग रही है जिसे पकडक़र शायद वे खुद तो बरबाद होंगे ही और उन युवाओं के लिए भी रोड़े खड़ा करेंगे जिन्होंने अभी-अभी उडना ही सीखा है। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि आजादी को सिर्फ आजादी ही रहने दो क्योंकि अंग्रेजों की अधीनता में 200 साल रही यह आजादी, आज स्वच्छंद सोच व उज्ज्वल भारत की वो सोच है जिसमें सभी वर्गों के लिए समान सोच, समान अवसर व समान मार्ग प्रशस्त हो जिस पर चलकर हम सब आजादी का आनंद उठा सकें। चिंतन का विषय यह है कि क्या आज सभी के लिए आजादी संभव है या नहीं?

निधि शर्मा

चिंतन विचार

प्रासंगिक नहीं गढ़े मुर्दे

अविश्वास प्रस्ताव अब अतीत का मुद्दा बन चुका है। संसद की कार्यवाही भी अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई है, लेकिन मणिपुर और नकारात्मक राजनीति अब भी जल रहे हैं। उनकी लपटों के शांत होने के आसार अभी तो स्पष्ट नहीं हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अविश्वास प्रस्ताव पर जो जवाब दिया था, वह भी संजीदा नहीं था, बल्कि उसमें खुन्नसी सियासत के भाव ज्यादा थे। प्रधानमंत्री ने कुछ ऐसे पुराने, गढ़े मुर्दे उखाड़े, जो फिलहाल देश के संदर्भ में प्रासंगिक नहीं हैं। वे 50-60 साल से भी ज्यादा पुरानी घटनाएं जरूर हैं। तब से लेकर आज तक भारत का चेहरा, सम्मान, स्थान, विकास सब कुछ बदल चुका है। देश की जनता बखूबी जानती है और उसके इस अधिकार का सम्मान भी किया जाना चाहिए कि वह किस दल, गठबंधन और नेता के प्रति अपना लोकतांत्रिक विश्वास व्यक्त करे अथवा अविश्वास जताते हुए किसे खारिज कर दे। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने वक्तव्य में उल्लेख किया था कि 1972 के बाद पश्चिम बंगाल में कांग्रेस न तो सत्ता तक पहुंच पाई और न ही उसका मुख्यमंत्री चुना जा सका है। इसी तरह तमिलनाडु में 1962, ओडिशा और गुजरात में 1995, उप्र में 1985, नगालैंड में 1988 के कालखंडों के बाद जनता ने कांग्रेस के प्रति अविश्वास जताया है। यह तथ्य समूचा देश जानता है। इसकी तुलना मौजूदा अविश्वास प्रस्ताव से नहीं की जा सकती। प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु के रामेश्वरम और श्रीलंका के दरमियान 'कच्चातीवू द्वीप' का भी जिक्र किया था। करीब 285 एकड़ का यह भूखंड विवादित था और 1974 के एक समझौते के तहत तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उसे श्रीलंका को सौंप दिया।

प्रधानमंत्री ऐसे फैसले लेते रहे हैं, क्योंकि उन्हें जनादेश प्राप्त था। बाद के प्रधानमंत्री चाहें, तो उन फैसलों को बदल भी सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सवाल किया है कि वह तोहफा श्रीलंका को क्यों दिया गया? मौजूदा द्रमुक मुख्यमंत्री स्टालिन बार-बार पत्र लिख कर आग्रह कर रहे हैं कि भारत सरकार श्रीलंका से अपने द्वीप को वापस ले। तब 1974 में भी द्रमुक मुख्यमंत्री करुणानिधि थे। दरअसल इस द्वीप को मछुआरों के लिए 'वरदान' माना जाता है, लिहाजा यह तमिल राजनीति का आज भी महत्वपूर्ण मुद्दा है। इसके अलावा, 5 मार्च 1966, मिजोरम राज्य के लिए 'काली, हमले की तारीख' है। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपने देश की ही वायुसेना को आदेश देकर मिजोरम के भारतीय नागरिकों पर हवाई हमला कराया था। कारण कुछ भी रहा हो, लेकिन प्रधानमंत्री ऐसी हद तक कैसे पहुंच गईं? मिजोरम में आज भी इसे 'काला दिन' के तौर पर याद किया जाता है और लोग प्रतीकात्मक विरोध-प्रदर्शन भी करते हैं। अविश्वास प्रस्ताव पर जवाब देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने अमृतसर के 'पवित्र स्वर्ण मंदिर' में 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' का भी जिक्र किया था। तब भी प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थीं। मौजूदा प्रधानमंत्री इन पुरानी घटनाओं का उल्लेख कर कांग्रेस की राजनीति पर प्रहार करना चाहते थे कि उन सरकारों की सोच क्या थी? दरअसल अविश्वास प्रस्ताव मणिपुर पर केंद्रित रहना चाहिए था। वैसा न तो विपक्ष ने किया और न ही प्रधानमंत्री ने निभाया। लोकसभा में चुनावी माहौल बना रहा। प्रस्ताव का गिरना तय था। यही उसकी नियति थी। राजनीतिक पक्षों को क्या हासिल हुआ, यह वे ही खुलासा कर सकते हैं।

हमें नहीं भूलना चाहिए कि पूर्वोत्तर राज्य उग्रवादी संगठनों की देश-विरोधी गतिविधियों के कारण शेष भारत की मुख्य धारा से कितना कटे रहे हैं! अपहरण, फिरौती, वसूली और हत्याएं उनके रोजगार रहे हैं। 'मां भारती' का यह भू-भाग वाकई विभाजित और रक्तरंजित रहा है। कमोबेश अब वे उग्रवादी मुख्य धारा में लौट कर, राजनीतिक तौर पर, सक्रिय हुए हैं। हम देश का 76वां 'स्वतंत्रता दिवस' मनाने जा रहे हैं। यदि अब भी मणिपुर को संगठित, शांतिपूर्ण राज्य बनाने के संकल्प की शुरुआत नहीं हो सकी, तो आजादी अधूरी और फीकी रहेगी। संकल्प का यह रास्ता तो प्रधानमंत्री को ही दिखाना पड़ेगा, क्योंकि वह ही लालकिले से देश को संबोधित करेंगे। सरकार को अपना ध्यान बेरोजगारी, गरीबी और महंगाई की समस्याएं हल करने पर केंद्रित करना चाहिए। आज टमाटर 200 रुपए किलो तक बिक रहा है। आम आदमी की रसोई से यह जरूरी वस्तु गायब हो गई है। खेद की बात यह है कि यह प्रचार किया जा रहा है कि टमाटर खाने से बीमारियां होती हैं। समस्याओं पर सरकार को फोकस करना होगा।

मुकेश अंबानी बने दुनिया के 11वें सबसे अमीर शख्स, इतनी हुई संपत्ति

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी दुनिया के 11वें सबसे उद्योगपति बन गए हैं। उनकी कुल संपत्ति 96.4 बिलियन डॉलर पहुंच गई है। इससे पहले वह 13वें स्थान पर थे। 11 अगस्त को सामने आई ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स की रिपोर्ट के अनुसार मुकेश अंबानी अब देश के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार मुकेश अंबानी की संपत्ति एक दिन में 223 मिलियन डॉलर बढ़ी है।

इससे पहले अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी जनवरी माह में मुकेश अंबानी को पीछे छोड़ते हुए देश के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए थे। लेकिन जिस तरह से हिंडनबर्ग की रिपोर्ट सामने आई उसके बाद अडानी को बड़ा झटका लगा और उनकी संपत्ति में भारी गिरावट देखने को मिली।

जिस तरह से भारतीय शेयर बाजार जबरदस्त प्रदर्शन कर रहा है उसका मुकेश अंबानी को काफी फायदा हुआ है। सेंसेक्स इस साल अभी तक तकरीबन 7.3 फीसदी तक बढ़ चुका है। वहीं देश के शीर्ष 15 अरबपतियों की बात करें तो सिर्फ अडानी और राधाकृष्णन दमानी की संपत्ति में गिरावट देखने को मिली है।

एक जनवरी से अंबानी की संपत्ति में तकरीबन 10 फीसदी की बढ़त देखने को मिली है। जियो फाइनेंशियर सर्विसेज के डीमर्जर के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज की संपत्ति में और इजाफा हो सकता है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने से पहले गौतम अडानी ने जेफ बेजोस को पीछे कर दिया था। लेकिन हिंडनबर्ग रिपोर्ट आने के बाद अडानी की संपत्ति में 57 बिलियन डॉलर की कमी आई थी।

Paytm ने लांच किया पॉकेट और म्यूजिक साउंड बॉक्स

नई दिल्ली। पेटीएम ने इन-स्टोर पेमेंट्स के लिए उपयोगी स्वदेश निर्मित दो नए डिवाइस-पेटीएम पॉकेट साउंडबॉक्स और पेटीएम म्यूजिक साउंडबॉक्स लांच करने की घोषणा की है। पेटीएम के ऑफलाइन भुगतान के मुख्य कारोबार अधिकारी रिपुणजय गौर ने यहां यह घोषणा करते हुये कहा कि पेटीएम साउंडबॉक्स के माध्यम से ऑडियो पेमेंट अलर्ट की सुविधा दी जाती है। ये दोनों उत्पाद भारत में विकसित और निर्मित हैं।

उन्होंने कहा कि पॉकेट साउंडबॉक्स उन कारोबारियों के लिए अपनी तरह का अनोखा डिवाइस है, जिसे अकसर सफर पर रहना पड़ता है। यह लाइटवेट, पोर्टेबल डिवाइस कारोबारियों की पॉकेट में बिल्कुल फिट आ जाता है, जिससे वह उन्हें घर से बाहर भी पेमेंट मिलने के बारे में अलर्ट करता रहता है। यह डिवाइस 4जी कनेक्टिविटी और पांच दिन की बैटरी लाइफ के साथ मिलती है। इसमें टॉर्च भी है। यह फिलहाल 7 भाषाओं, अंग्रेजी, हिंदी,बंगला, उड़िया, मराठी और पंजाबी में उपलब्ध है। जल्द ही यह 14 भाषाओं को सपोर्ट करेगा।

उन्होंने कहा कि एक और घरेलू उपकरण पेटीएम म्यूजिक साउंडबॉक्स कारोबार को मनोरंजन से जोड़ता है। इस 4जी- इनेबल्ड डिवाइस को उपभोक्ता ब्लूटूथ के माध्यम से अपने फोन से कनेक्ट कर सकते हैं और संगीत, म्यूजिक कॉमेंट्री और समाचार सुन सकते हैं। इसका वॉयस ओवरले फीचर यह सुनिश्चित करता है कि कारोबारियों को म्यूजिक सुनते समय भी पेमेंट के नोटिफिकेशन सुनाई दें। यह फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करता है और टाइप सी चार्जर के साथ आता है। सभी पेटीएम साउंडबॉक्स डिवाइसेस भारत में बनाई गई हैं। इसके दूसरे फीचरों में 7 दिन की बैटरी लाइफ और 4वॉट का स्पीकर शामिल है। इसमें 4जी कनेक्टिवटी है और यह अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मराठी, मलयालम, बंगला, गुजराती, पंजाबी और उड़िया आदि 14 भाषाओं को सपोर्ट करता है।

इनसाइड

टोयोटा का एक्सप्रेस सर्विस वाहन लांच

चंडीगढ़। टोयोटा ने पायनियर टोयोटा चंडीगढ़ में टोयोटा हिलक्स पर निर्मित टोयोटा एक्सप्रेस सर्विस (टीएसई) वाहन लांच किया। टीएसईए टोयोटा हिलक्स पर टोयोटा ग्राहकों को व्यापक सेवा सहायता प्रदान करता है जैसेआपके दरवाजे पर सेवाएं सुविधा और मन की शांति। सेवा मेनू विकल्पों की पूरी श्रृंखला दो-तीन दिनों के लिए ग्रामीण/दूर-दराज के स्थानों पर सेवा शिविर आयोजित करने में सक्षम और यह कहीं भी जाने की हिलक्स-क्षमता और विश्वसनीयता के कारण संभव है। दूर-दराज के इलाकों में ग्राहकों तक बेहतर पहुंच और सुविधा प्रदान करता है। सेवा नौकरियों की पूरी श्रृंखला प्रदान करता है और 40 हजार सेवा करने में सक्षम है। टोयोटा हिलक्स के मजबूत डिजाइन और अतिरिक्त स्टोरेज के कारण सभी प्रकार की सेवा टीएसई-हिलक्स का उपयोग करके की जा सकती है। टोयोटा हिलक्स टीएसई द्वारा दी जाने वाली सेवाएं आवधिक रखरखाव, सामान्य मरम्मत, वील अलाइनमेंट आदि उपसिथत है।

शॉपिंग पर पैसे बचाने के लिए बना रहे हैं Credit Card लेने का प्लान, इन कार्ड्स की मदद से कर पाएंगे बड़ी बचत

क्रेडिट कार्ड कंपनियों की ओर से ब्रांड्स के साथ मिलकर को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड जारी किए जाते हैं। इसमें यूजर्स को कई सारे स्पेशल बेनिफिट्स जैसे प्रोसेसिंग फीस में छूट शॉपिंग डिस्काउंट कूपन अधिक रिवॉर्ड प्वाइंट्स और हर ट्रांजैक्शन पर कैशबैक आदि दिए जाते हैं। हालांकि कोई भी को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लेने से पहले अपने खर्चों को अच्छे से समझ लेन चाहिए।

नई दिल्ली। क्रेडिट कार्ड का उपयोग मौजूदा समय में काफी बढ़ गया है। इस कारण कई सारी क्रेडिट कार्ड कंपनियां बाजार में आ गई हैं। पिछले कुछ समय से को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड का चलन काफी तेजी से बढ़ा है। को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड के साथ यूजर्स को सारे फीचर्स जैसे एयरपोर्ट लाउंज का एक्सेस, अधिक रिवॉर्ड प्वाइंट्स और हर ट्रांजैक्शन पर कैशबैक आदि दिए जाते हैं। को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड का ही एक टाइप होता है। जिसे बैंक किसी ब्रांड, रिटेलर, सर्विस प्रोवाइडर के साथ साझेदारी कर एक को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लॉन्च करता है। इस तरह के क्रेडिट कार्ड बैंक के लोगो के साथ उस ब्रांड का लोगो भी होता है। इसीलिए इसे को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड कहा जाता है।

एक्स पर तिरंगे की डीपी लगाते ही हट रहा ब्लू टिक

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। ट्विटर यानी एक्स पर तिरंगे को लेकर कंट्रवर्सी शुरू हो चुकी है। दरअसल 15 अगस्त सेलिब्रेशन के तहत लोग ट्विटर प्रोफाइल फोटो में तिरंगे की फोटो लगाकर देशभक्ति का इजहार कर रहे थे, लेकिन ट्विटर को शायद यह रास नहीं आया है, जिसकी वजह से ट्विटर ने प्रोफाइल फोटो के तौर पर तिरंगा लगाने वाले अकाउंट से ब्लू टिक हटा दिया, जिसको लेकर यूजर्स ट्विटर और एलन मस्क को निशाना बना रहे हैं। ट्विटर की ओर से प्रोफाइल फोटो में तिरंगा लगाने वाले अकाउंट का वेरिफिकेशन चेकमार्क वापस ले लिया है। ट्विटर ने प्रोफाइल फोटो में तिरंगा लगाने को नियमों का उल्लंघन माना है।

जिसकी वजह से ट्विटर ने ब्लू टिक को हटा दिया है, लेकिन इससे पहले तक ट्विटर की तरफ खास इवेंट जैसे 15 अगस्त और 26 अगस्त के लिए कैंपेन निकाला जाता रहा है, जिससे आप प्रोफाइल फोटो के तौर पर कोई फोटो लगा सकते थे। लेकिन एलन मस्क के ट्विटर कमान संभालने के बाद क्या नए नियम जारी हुए है। फिलहाल इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। दरअसल एलन मस्क की ओर से फेक अकाउंट को रोकने के लिए प्रोफाइल फोटो और नाम नहीं बदलने का नियम जारी किया था। इसके उल्लंघन पर प्रोफाइल वेरिफिकेशन हटाने का नियम जारी किया गया था। मतलब ब्लू, गोल्डन और ग्रे टिक हटा दिया जाएगा।

ऐसे वापस मिलेगा ब्लू टिक

अगर आपका ब्लू टिक हट जाता है, तो आपको उसे रिव्यू के लिए डालना होगा। फिर रिव्यू के बाद ब्लू टिक वापस मिल जाएगा। जिन लोगों के मंथली सब्सक्रिप्शन लिया है, उसे ब्लू टिक मिलता है। इसके लिए आपको मंथली पैसे देना होगा। साथ ही जिनके एक मिलियन से ज्यादा सब्सक्राइबर्स हैं, उन्हें फ्री में ब्लू सब्सक्रिप्शन दिया जा रहा है।

एकलव्य मॉडल स्कूलों में 6329 पदों के लिए करें आवेदन

नई दिल्ली। एकलव्य मॉडल स्कूलों में 6329 पदों पर भर्ती निकाली गई है। इसमें टीजीटी के लिए 5660 पद, होस्टल वार्डन पुरुष के लिए 335 पद और हॉस्टल वार्डन महिला के लिए 334 पद रखे गए हैं। भर्ती के लिए आवेदन की आखिरी तारीख 18 अगस्त, 2023 है। ऐसे में जो अभ्यर्थी आवेदन करना चाहते हैं, वे ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर निर्धारित तारीख तक आवेदन कर दें, क्योंकि इसके बाद किसी भी अभ्यर्थी का फॉर्म एक्सेप्ट नहीं किया जाएगा। अभ्यर्थियों को सलाह है कि वे आवेदन फॉर्म पढक़र ही भरें, क्योंकि गलत भरा हुआ फॉर्म एक्सेप्ट नहीं किया जाएगा। एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल रिक्रूटमेंट 2023 में सामान्य, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस वर्ग के अभ्यर्थियों को टीजीटी पद हेतु आवेदन शुल्क 1500 रुपए देना होगा।

जल्द आएगा रियलमी 11-5जी, 108 एमपी कैमरे के साथ पांच हजार एमएएच की बैटरी

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। रियलमी का नया मिड-रेंज स्मार्टफोन लॉन्च के लिए पूरी से तैयार है। कंपनी की तरफ से दो नए स्मार्टफोन को रियलमी 11 5जी और रियलमी 11एक्स 5जी को लॉन्च किया जाएगा। लॉन्च से पहले रियलमी 11 5जी स्मार्टफोन के स्पेसिफिकेशन लीक हो गए हैं। लीक रिपोर्ट की मानें, तो फोन रियलमी 11 5जी में 108एमपी का मेन कैमरा सेंसर दिया जा सकता है। जबकि चार्जिंग के लिए 67वॉट सुपरवोक चार्जिंग सपोर्ट दिया जा सकता है। फोन को दो कलर शेड्स में लॉन्च किया जा सकता है। इसे गोल्ड और ब्लैक में टीज किया गया है। लीक रिपोर्ट के मुताबिक, फोन के कैमरा सेंसर में 3& इन-सेंसर जूम के साथ 3एक्स ऑप्टिकल जूम सपोर्ट दिया जा सकता है। फोन में तीन नए कैमरा फिल्टर जैसे ट्रैक्विल, क्रिस्प और सिनेमैटिक के साथ स्ट्रीट फोटोग्रॉफी मोड दिया जा सकता है। फोन 67वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ आएगा।

रियलमी का दावा है कि फोन 17 मिनट में एक से 15 फीसदी तक चार्ज हो जाएगा। फोन में 5000 एमएएच की बैटरी दी जा सकती है। रियलमी 11 सीरीज के स्मार्टफोन में सर्कुलर कैमरा मॉड्यूल दिया जा सकता है। कैमरा मॉड्यूल में दो लेंस दिए जा सकते हैं। इसका मेन कैमरा 108 मेगापिक्सल का होगा। इसमें पिल शेप एलईडी फ्लैश दिखाई दी जा सकती है। रियलमी 11 5जी को हाल ही में ताइवान में लॉन्च किया गया है। फोन में 6.72 इंच का आईपीएस एलसीडी पैनल दिया जा सकता है।

जुलाई में वस्तु निर्यात में 15.86 प्रतिशत की गिरावट, लेकिन सेवा निर्यात 10 प्रतिशत बढ़ा

परिवहन विशेष न्यूज

भारत के निर्यात बाजार में अमेरिका यूके चीन व जर्मनी जैसे देश प्रमुख रूप से शामिल है और इन देशों के आंतरिक मांग में कमी से इनके आयात में गिरावट चल रही है। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने बताया कि उन्हें उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 में पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले वस्तु व सेवा के कुल निर्यात में बढ़ोतरी रहेगी।

नई दिल्ली। प्रमुख निर्यात बाजार में छाई सुस्ती से वस्तुओं के निर्यात में गिरावट का दौर जारी है। जुलाई माह में वस्तुओं के निर्यात में पिछले साल जुलाई की तुलना में 15.86 प्रतिशत की गिरावट रही, लेकिन इस अवधि में सेवा निर्यात में 10 प्रतिशत का इजाफा रहा। वहीं, जुलाई में वस्तुओं के आयात में पिछले साल जुलाई की तुलना में 17.01 प्रतिशत की गिरावट रही। सेवा आयात में पांच प्रतिशत का इजाफा रहा।

भारत के निर्यात बाजार में अमेरिका, यूके, चीन व जर्मनी जैसे देश प्रमुख रूप से शामिल है और इन देशों के आंतरिक मांग में कमी से इनके आयात में गिरावट चल रही है। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने बताया कि उन्हें उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 में पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले वस्तु व सेवा के कुल निर्यात में बढ़ोतरी रहेगी। उन्होंने कहा कि वस्तु निर्यात में गिरावट मुख्य रूप से पेट्रोलियम पदार्थों के मूल्य में होने वाली कमी से आई है।

इस साल जुलाई में 32.2 अरब डॉलर का वस्तु निर्यात किया गया जबकि पिछले साल जुलाई में 38.3 अरब डॉलर का निर्यात किया गया था। वहीं इस अवधि में 52.9 अरब डॉलर का वस्तु आयात किया गया। पिछले साल जुलाई में 63.7 अरब डॉलर का आयात किया गया था। इस साल जुलाई में सेवा निर्यात 27.17 अरब डॉलर का रहा जबकि पिछले साल जुलाई में यह निर्यात 24.26 अरब डॉलर का था।

गुयाना में किया गया आलू का निर्यात

वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय के मुताबिक पहली बार किसान उत्पादक संगठन की तरफ से आलू का निर्यात किया गया है। मध्य प्रदेश के एफपीओ ने दक्षिण अमेरिका के गुयाना में दो कंटेनर आलू का निर्यात किया है। यह भारत के लिए बिल्कुल नया बाजार है। कृषि उपज के निर्यात को बढ़ाने के लिए इंडोनेशिया व ताइवान के रेस्टोरेंट में श्रीअन्न के ब्रेकफास्ट व भोजन को शामिल करने की दिशा में भारत की तरफ से प्रोत्साहन कार्य चल रहा है।

मंत्रालय के मुताबिक अमेरिका में समुद्र के रास्ते अनार का निर्यात किया गया है जिससे अब अनार के निर्यात में बढ़ोतरी होगी। अब तक हवाई मार्ग से अनार का निर्यात हो रहा था। दूसरी तरफ दक्षिण कोरिया में आर्गेनिक वस्तुओं के कारोबार के लिए समझौते को लेकर बातचीत चल रही है।

किन वस्तुओं में कितनी बढ़ोतरी रही

जुलाई, 2023 में पिछले साल जुलाई के मुकाबले

इंजीनियरिंग उत्पाद	-6.62 प्रतिशत
जेम्स व ज्वैलरी	-29 प्रतिशत
इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद	13.09 प्रतिशत
रेडीमेड गारमेंट्स	-17.37 प्रतिशत
लेदर व लेदर उत्पाद	-12.87 प्रतिशत
काफी	11.90 प्रतिशत
फल व सब्जी	18.94 प्रतिशत
पेट्रोलियम उत्पाद	-43.66 प्रतिशत

स्त्रोत
वाणिज्य मंत्रालय

सिडाना इंटरनेशनल स्कूल में मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

साहिल बेरी

अमृतसर। हर भारतीय के हृदय में स्वतंत्रता दिवस का एक विशेष स्थान है। यह न केवल आजादी के अद्भुत वर्षों के जश्न का प्रतीक है बल्कि हमारे देश के प्रगतिशील भविष्य का संदेशवाहक भी है। सिडाना इंस्टीट्यूट की मैनेजर डॉ. जीवन ज्योति सिडाना के बहुमुखी मार्गदर्शन में, नेहरू युवा केंद्र ने सिडाना इंटरनेशनल स्कूल के सहयोग से भारत का 77वां स्वतंत्रता दिवस सिडाना इंटरनेशनल स्कूल में बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया। स्कूल को तिरंगे गुब्बारों के साथ खूबसूरती से सजाया गया था।विद्यार्थियों और अध्यापकों ने अपनी मातृभूमि और महान स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के सम्मान में अपने विचार प्रस्तुत किये। विद्यार्थियों की सुंदर अभिनय प्रस्तुति ने माहौल को देश भक्ति की भावनाओं से परिपूर्ण कर दिया तो हृदय विदारक नृत्य प्रदर्शन द्वारा भारतीय सेना के सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। भारत माता, महारानी लक्ष्मी बाई, महात्मा गांधी, भगत सिंह आदि के वेष में सजे विद्यार्थी सभी को सहज ही मंत्र मुग्ध कर रहे थेसमारोह का समापन पुरस्कार वितरण एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। नेहरू युवा केंद्र की डिस्ट्रिक्ट हैंड आकांशा महावेरिया ने अपनी उपस्थिति से इस कार्यक्रम की शोभा को बढ़ाया। सिडाना इंस्टीट्यूट्स के चीफ एडवाइजर डॉ. धर्मवीर सिंह, सिडाना इंटरनेशनल स्कूल की डायरेक्टर सुश्री राधिका अरोड़ा और सिडाना स्पोर्ट्स एकेडमी के डायरेक्टर डॉ. राजिंदर सिंह छीना ने विद्यार्थियों को अपनी भारतीय विरासत पर गर्व करने, अच्छे नागरिक बनने और ज्ञान और अनुभव का उपयोग करके भारत को सभी क्षेत्रों में बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया।नेहरू युवा केन्द्र की ओर से विशेष रूप से जलपान की व्यवस्था की गई थी। इस समारोह में सिडाना इंस्टीट्यूट्स एवं नेहरू युवा केन्द्र का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

कावड़ यात्रा पर पुष्प वर्षा एवं प्रसाद वितरण

अनूप कुमार शर्मा, भीलवाड़ा। नर्मदेश्वर महादेव मंदिर लेबर कोलोनी से हरणी महादेव तक आयोजित जय भोले विशाल कावड़ यात्रा में पुष्प वर्षा एवं प्रसाद वितरित कियागया।समाजसेवी विनोद झुर्रानी ने बताया कि सिन्धी समाज द्वारा कावण यात्रा का स्वागत इन्द्रा मार्केट में पुष्प वर्षा के साथ किया गया, इस मौके पर हरिशेवा धाम के महंत महामण्डलेश्वर स्वामी हंसराम जी के सानिध्य में प्रसाद वितरित किया गया। इस मौके पर पार्षद जितेन्द्र राजावत का गुलशन कुमार विधानी द्वारा मारवाड़ी साफा पहनाकर एवं हेमनदास भोजवानी द्वारा दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया। इस दौरान पंकज आडवानी, जगदीश बालानी, राजेश थुरवानी, मनोहर संगतानी, हीरालाल जेठानी, दिलीप वन्जानी, नथुमल फुलवानी, घनश्याम मानवानी, रमेश पमनानी,हरीश राजवानी, प्रकाश लखवानी, राजकुमार टहलानी, दिपेश दत्ता, किशन जगत्यानी, विजय निहालानी, टहलराम सिन्धी, महेश जोतवानी, प्रकाश चावला, राजेश जेठानी सहित कई समाजजन मौजूद थे।

रोटरी क्लब अमृतसर प्रीमियर ने इंस्टालेशन सेरेमनी का आयोजन किया

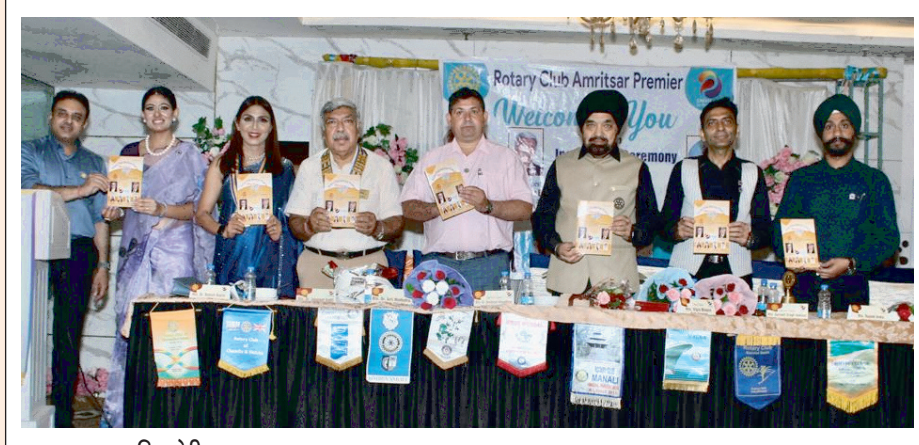

साहिल बेरी

अमृतसर। रोटरी क्लब अमृतसर प्रीमियर ने 12 अगस्त 2023 शनिवार को होटल क्लार्क्स इन रंजीत एवेन्यू अमृतसर में इंस्टालेशन सेरेमनी का आयोजन किया। इस मौके पर पूर्व प्रधान राजेश अरोड़ा का ताज इस साल के प्रेसिडेंट डॉक्टर आरती मल्होत्रा को सोपा गया साथ ही पूर्व सेक्रेटरी डॉ तेजिंदर सिंह की जिम्मेवारी को इस साल की सेक्रेटरी डॉक्टर जसप्रीत सोबती को सौंपी गई।इस मौके पर मुख्य अतिथि और डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एडवोकेट विपिन भसीन ,DGE एंड इंस्टॉलिंग ऑफिसर डॉक्टर पीएस ग्रोवर, आईपीडीजी dr दुष्यंत चौधरी, पीडीजी एंड जोन 4 कोऑर्डिनेटर कोऑर्डिनेटर गुरजीत सिंह सेखों, असिस्टेंट गवर्नर एंड एमओसी डॉ रमन गुप्ता ,....खास तौर पर उपस्थित थे। रोटरी क्लब अमृतसर प्रीमियर की नई टीम में जो इंस्टॉल हुए मेंबर उनमें ...राजेश अरोड़ा,dr सोमिल कंसल,डॉ तेजिंदर सिंह, डॉक्टर अश्विनी अरोड़ा, प्रबजीत कौर ,डॉक्टर जेपी , डॉ मधु अरोड़ा ,डॉ पुनीत महाजन, डॉ राम सिंह ,डॉक्टर गुरजोत सिंह, dr विनोद ,सविता घई, dr हरजोत मक्कड़, डॉ हृदयप्रीत कौर, तरणदीप कौर आदि मौजूद थे।इस मौके पर कुछ खास अतिथि जैसे हरीश शर्मा, डॉक्टर जीएस मदान ,इंजीनियर पुष्पेंद्र सिंह ग्रोवर, dr जसप्रीत ग्रोवर, एचएस जोगी ,करनल अनेजा, विकास कुमार, ऋषि खन्ना ,अश्वनी अवस्थी, राकेश कपूर, रवि पठानिया, मंजीत पाल कौर, अश्विनी मल्होत्रा, dr जतिंदर मल्होत्रा,dr anupma गुप्ता,dr अर्पिता कंसल,dr Taranpreet कौर,और कई रोटरी क्लब्स के प्रेसिडेंट मौजूद थे।कार्यक्रम बहुत ही सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।सभी उपस्थित गेस्ट्स ने कार्यक्रम की सफलता की रोटरी प्रीमियम की सारी टीम को, खास तौर पर प्रेसिडेंट डॉक्टर आरती मल्होत्रा को बहुत-बहुत बधाई दी। कार्यक्रम के संपन्न होने के बाद सभी उपस्थित गेस्ट्स ने जलपान का आनंद लिया और नाच गाने का भी लुत्फ उठाया।

पब्लिक शो में आकर्षण की केन्द्र बनी टी-केटल रंग बिरंगी टी केटल देख हर्षित हुये दर्शक

अनूप कुमार शर्मा, भीलवाड़ा। स्थानीय आकृति कला संस्थान एवं एल.एन.जे. समूह के सहयोग से हुए अर्न्तराष्ट्रीय रंग मल्हार-2023 में निर्मित चाय की केटल की एक दिवसीय विशाल कला प्रदर्शनी का आयोजन 13 अगस्त 2023 को सांय 5 से 7 बजे तक स्थानीय स्मृति-वन में आयोजित हुआ। जानकारी देते हुए संस्थान के सचिव कैलाश पालिया ने बताया कि रंग मल्हार-2023 में चित्तौड, उदयपुर, शाहपुरा, अजमेर, उदयपुर, राजसमन्द एवं भीलवाडा के 150 कलाकारो ने रंग मल्हार में अपनी अपनी शैली में निर्मित चाय की केटली की प्रर्दशनी आम नागरिको के अवलोकनार्थ स्मृति वन में प्रदर्शित की जायेगी। रंग बिरंगी केटलियों को देखकर सभी दर्शकों ने केटल के साथ सेल्फी भी ली। इस अवसर पर बाल वर्ग में बेस्ट टी केटल पुरूस्कार में राश्वी, भूवी, आरविन, आराध्या, भवि, रहमत, पवी, आर्ची, केनिशा, क्यारा, इसी तरह युवा वर्ग में यश्वी, रति, दिव्या, मनत, तुलिका, अभिश्री, सुमित, सिद्धी, नित्या, निष्ठा, मिष्ठी, उमंग, अध्विता, आल्ड्रेला, अवनी, दिव्यांशी, सीनियर समूह में शिल्पा चौधरी, डिम्पल बड़वा, राजेश जोशी, सीमा सांखला, शुभम सोनी, बालकिशन जांगिड़, सपना मीणा, शीतल जैन, ज्योति पारीक, मितीक्षा अग्रवाल, रिया छापरवाल, अवलिन कौर, रेखा गुर्जर, राहुल सिंह चौहान के साथ-साथ विशेष पुरूस्कार खुशी कोठारी, माही मून्दड़ा, दीपिका पाराशर, बबलु गुर्जर, कपिल बैरवा, खुशी पीपाड़ा, कोमल रानी को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पर्यावरणविद् बाबु लाल जाजू, वरिष्ठ चित्रकार श्रीमती मंजू मिश्रा ने सभीप्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

माननीय वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशानुसार सब इंस्पेक्टर गुरुमीत सिंह प्रभारी सैंज सेंटर सेंट्रल

साहिल बेरी

अमृतसर। लेडी कांस्टेबल मनप्रीत कौर ने सीनियर सेकेंडरी स्कूल कटरा शिट लाहौरी गेट अमृतसर में स्टूडेंट पुलिस कैडेट एसपीसी के संबंध में पहला सेमिनार आयोजित किया। जिसमें आठवीं और नौवीं कक्षा के छात्रों को पुलिस और बच्चों के बीच संबंध बढ़ाने और छात्रों को इस अभियान से जोड़ने और समग्र विकास के लिए एक सेमिनार दिया गया। सेमिनार में बच्चों को 181,112 हेल्पडेस्क, बढ़ते साइबर क्राइम, ड्रग्स और ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी गई। सेमिनार में विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती जीवन ज्योति एवं श्री केशव कोहली ने भी भाग लिया। गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल कटरा सफेद में प्रिंसिपल मैडम जीवन ज्योति के नेतृत्व में स्टूडेंट पुलिस कैडेट एसपीसी कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सांझ केंद्र अमृतसर सेंट्रल के प्रभारी सब-इंस्पेक्टर गुरमीत सिंह और हेड कांस्टेबल मैडम मनप्रीत कौर ने गणमान्य व्यक्तियों के रूप में भाग लिया। स्कूल एसपीसी के शिक्षक केशव कोहली ने बताया कि यह प्रोजेक्ट गृह मंत्रालय की ओर से शुरू किया गया है. इस परियोजना को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए, महाराजा रणजीत सिंह पुलिस अकादमी फिल्लौर के नेतृत्व में माननीय सुश्री गुरप्रीत कौर देयोल, आईपीएस विशेष डीजीपी सामुदायिक मामले प्रभाग सह महिला एवं बाल मामले पंजाब, सुश्री अनीता पुंज, आईपीएस एडीजीपी सह निदेशक पंजाब पुलिस 7 और 8 अगस्त को पूरे पंजाब से 280 सरकारी स्कूल के शिक्षकों का चयन किया गया,

जिन्हें एसपीसी परियोजना के तहत विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया ताकि स्कूल के आठवीं और नौवीं के छात्रों को छात्रों के समग्र विकास के लिए इस अभियान में शामिल किया जा सके।

मानसरोवर धाम बना आस्था का नया केंद्र

भोपाल सीहोर हाईवे स्थित खजूरी सड़क पर मानसरोवर धाम क्षेत्र लोगों की आस्था का नया केंद्र बन रहा है

परिवहन विशेष न्यूज, भोपाल। 5 एकड़ में फैले वातावरण में मानसरोवर धाम की छटा लोगों को अभिभूत कर रही है भगवान शंकर की 51 सीटों की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है साथ ही विशाल हजारी महादेव शिवलिंग स्थापित है गुफा स्वरूप बनाए गए मंदिर में द्वादश ज्योतिर्लिंग की स्थापना की गई है इस वर्ष बसंत पंचमी के अवसर पर महाशिवपुराण और महा विशेष के साथ मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी मानसरोवर धाम निर्माण कराने वाले संजय कश्यप का कहना है मानसरोवर धाम पर साक्षात भगवान शंकर की कृपा बरस रही है वह तो इस निर्माण के निमित्त मात्र बनी है यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं की सभी मनोकामना की पूर्ति होती है शुरू से यह धाम लोगों की आस्था और श्रद्धा का केंद्र बना हुआ है सावन के महीने में अपार जनसमूह दर्शन करने आ रहा है मंदिर के आसपास विकसित किया गया गार्डन अब बारी प्रवेश द्वार पर नंदी की विशाल मूर्ति लोगों का मन मोह लेती है मंदिर के समीप पार्किंग की उपयुक्त व्यवस्था होने से लोगों को आवागमन में दिक्कत नहीं होती है।

युवा ब्रम्हशक्ति मेवाड़ के सदस्यों ने पुरुषोत्तममास कथा में किया संत, पत्रकार व पदाधिकारीयों का सम्मान

गांधी नगर स्थित निम्बार्क आश्रम पर चल रही पुरुषोत्तममास कथा के दौरान किया स्वागत सत्कार

अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। शहर के गांधी नगर रोड़ स्थित निम्बार्क आश्रम के महंत मोहन शरण शास्त्री के सानिध्य में पुरुषोत्तममास कथा का आयोजन संत माधव शरण महाराज के मुखारविंद से प्रतिदन सांय 4 बजे से 6 बजे तक नियमित किया जा रहा हैं। जिसमें युवा ब्रहशक्ति मेवाड़ के सदस्यों ने महंत के हाथों संत, पत्रकार व पदाधिकारीयों का स्वागत सम्मान भी करवाया।

युवा ब्रहशक्ति मेवाड़ की महिला प्रदेश अध्यक्षा नीलम शर्मा ने बताया की महन्त मोहन शरण शास्त्री के निम्बार्क आश्रम पर संत माधव शरण महाराज के द्वारा पुरुषोत्तममास कथा का नियमित आयोजन किया जा रहा हैं। जिसमें युवा ब्रम्हशक्ति मेवाड़ की महिला मण्डल की सदस्याओं ने सर्वप्रथम महंत मोहन शरण शास्त्री महाराज को पुष्पमाला पहना दुप्पट्टा भेंट कर स्वागत सम्मान किया। तद्पश्चात पुरुषोत्तममास की कथा कर रहे संत माधव शरण महाराज को भी पुष्पमाला व दुप्पटा भेंटकर स्वागत किया। इस दौरान धार्मिक खबरों के उत्कृष्ट लेखन को लेकर महंत मोहन शरण शास्त्री ने पत्रकार विष्णु विवेक शर्मा को पुष्पमाला व दुप्पट्टा के साथ ही मेवाड़ी पगड़ी पहना युवा ब्रम्हशक्ति मेवाड़ का स्मृति चिन्ह स्वरूप भगवान परशुराम महाराज की तश्वीर के साथ ही श्रीफल भेंटकर स्वागत सम्मान करते हुए आशीर्वाद दिया।

प्रदेश अध्यक्षा नीलम शर्मा ने बताया की हाल ही में युवा ब्रम्हशक्ति मेवाड़ के नव नियुक्त भीलवाड़ा जिलाध्यक्ष कमलेश पालीवाल को भी उपरणा पहनाकर आशीर्वाद दिया।

इस सम्मान समारोह में पदाधिकारीयों में संरक्षक गोपाल नारायण नागर, कमलेश पालीवाल जिलाध्यक्ष, गोपाल गर्ग प्रचार प्रसार मंत्री, महिला प्रकोष्ठ की जिला महामंत्री ललिता जोशी, उपाध्यक्षा पूजा शर्मा, सचिव संध्या शर्मा सहित कथा श्रवण करने पहुँचे कई महिला पुरुष भक्तजन भी मौजूद रहे।

भादवी छठ पर गाडरी समाज निकालेगा भव्य विशाल वाहन रैली

अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। हर साल की भांति इस साल भी भादवी छठ भगवान देवनारायण जी के निलाकर घोड़े के जन्मोत्सव के उपलक्ष पर भव्य विशाल वाहन रैली निकाली जाएगी।

युवा संभाग अध्यक्ष भैरूलाल खायड़ा ने बताया कि दिनांक 20.09.2023 पालना जी देवनारायण मंदिर से प्रारंभ होगी जो मालासेरी डूंगरी धर्म सभा में सम्मिलित हो जाएगी। यह निर्णय आज गाड़री समाज की मीटिंग में लिया गया, हरणी महादेव सोमाजी भक्ति मंदिर पर इस दौरान मंदिर निर्माण कमेटी के पूर्व अध्यक्ष देवीलाल गाडरी खैराबाद, पूर्व जिलाध्यक्ष नंदलाल खेमाणा, गाडरी विकास संस्था के अध्यक्ष अमरचंद सवाईपुर, वरिष्ठ जिलाध्यक्ष भैरूलाल गाडरी, प्रदेश संयोजक राजू गाडरी ईटमारिया, देवीलाल, पायरा कैलाश खायडा, पूर्व सरपंच लालारामजी बरड़ोद, युवा जिलाध्यक्ष रामचंद्र रूपपुरा, उदलियास सरपंच उदयलाल, शिवरती सरपंच भैरूलाल गाडरी, देवीलाल वकील, देवसेना जिला उपाध्यक्ष राधेश्याम गाडरी, वरिष्ठ ब्लॉक अध्यक्ष नारायण, गोविंद सिंह जी का खेड़ा पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष सुवाणा छोटू गाडरी, ब्लॉक उपाध्यक्ष नारायण सुवाणा, कन्हैयालाल सबलपुरा, गोपाल गाडरी हमीरगढ़, प्रहलाद गाडरी शाहपुरा, कन्हैया लाल हलेड़, पूरण भादु, भंवर जी जीवा का खेड़ा, नारायण चतरपुरा, गोपाल श्रीनगर, रामप्रसाद गोकुलपुरा, दुर्गेश गाडरी खैरूणा, शिवराज हरणी सहित बड़ी संख्या

में समाज के संगठन के जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बच्चों को बिस्कीट व मिठाई वितरित कर मनाया स्वतंत्रता दिवस

अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। लायनेस क्लब पद्मिनी अध्यक्ष सीमा सोमानी ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर कांवाखेड़ा कच्ची बस्ती में वहां की महिलाओं और बच्चों के साथ में क्लब संरक्षक स्नेहलता धारीवाल, पूर्व सभापति मधु जाजू और कल्पना माहेश्वरी के मुख्य आतिथ्य में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। अध्यक्ष सीमा सोमानी ने बताया कि सभी बच्चों को बिस्कुट व मिठाई तथा महिलाओं को सैनिटरी पैड और मिठाई वितरण करके सद्भावना और शांति का संदेश दिया गया बच्चों को और महिलाओं को तरह-तरह के गेम और शिक्षा के बारे में समाचारों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में रीटा बुलिया, रेनू जैन, मीना जैन तथा क्लब की अन्य सदस्य उपस्थिति रही।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 98117320959.
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय में ही होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित किये गये मसौदे के लिए लेखक स्वयं जिम्मेदार हैं। **Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023**